हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 33, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 31 जुलाई, 2023 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

'जल संरक्षण का ज्वलंत उदाहरण है मिशन अमृत सरोवर'

मन की बात में पीएम मोदी बोले- हमारी मेहनत रंग लाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पेड़ लगाने और जल का संरक्षण करने की अपील की। जल संरक्षण के लिए केंद्र के प्रयासों और प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के दौरान बनाए गए 60,000 से अधिक अमृत सरोवर पहले ही चमकदार मील के पत्थर के रूप में उभरे हैं और 50,000 से अधिक पर काम चल रहा है। पीएम मोदी ने अपने मासिक रेडियो प्रसारण 'मन की बात' के 103वें संस्करण के दौरान देशवासियों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। पीएम मोदी हर महीने के आखिरी रविवार को मन की बात करते हैं।

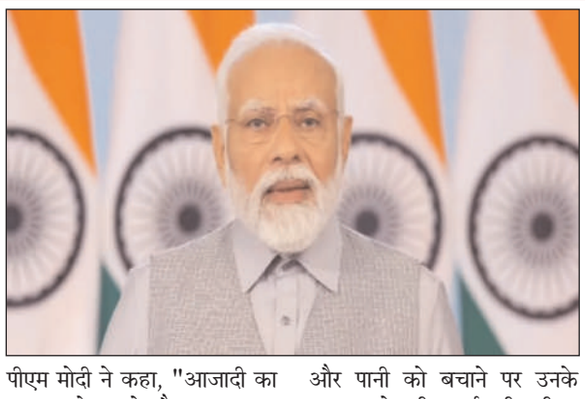

पिछले साल लॉन्च हुआ मिशन अमृत सरोवर- पिछले साल लॉन्च किए गए 'मिशन अमृत सरोवर' का उद्देश्य आजादी का अमृत महोत्सव के जश्न के एक हिस्से के रूप में देश के प्रत्येक जिले में 75 जल निकायों को विकसित और पुनर्जीवित करना है। पीएम मोदी ने कहा, "आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान बनाए गए 60 हजार से अधिक अमृत सरोवर चमकदार स्थलों के रूप में उभरे हैं, जबकि 50,000 से अधिक के निर्माण पर काम जारी है।" उन्होंने जिम्मेदारी और जागरूकता का परिचय देते हुए जल संरक्षण के लिए लोगों के प्रयासों की भी सराहना की।

प्रकृति और पानी बचाने को लेकर हुई चर्चा- मध्य प्रदेश के शहडोल की अपनी हालिया यात्रा पर, पीएम मोदी ने कहा कि पकरिया गांव के आदिवासियों ने जल-संरक्षण तकनीकों को अपनाया है और उन्होंने प्रकृति और पानी को बचाने पर उनके साथ आगे की चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा, "आपको याद होगा कि कुछ समय पहले, मैंने शहडोल का दौरा किया था। मैं पकरिया गांव के कुछ आदिवासी भाइयों और बहनों से मिला। प्रकृति को बचाने और जल संरक्षण पर मेरी उनके साथ सुखद और उपयोगी चर्चा हुई।"

धीरे-धीरे क्षेत्र में बढ़ेगा भूजल स्तर- पीएम मोदी ने कहा, "अब मुझे पता चला है कि पकरिया गांव के आदिवासी भाई-बहनों ने पहले ही जल संरक्षण के विचारों को लागू करना शुरू कर दिया है। स्थानीय प्रशासन की मदद से, लोगों ने लगभग सौ कुओं को जल पुनर्भरण प्रणालियों में बदल दिया है।" उन्होंने कहा, "बारिश का पानी अब इन कुओं में बहता है और वहां से सतह के नीचे रिसता है।" पीएम मोदी ने कहा, "इससे क्षेत्र में भूजल स्तर धीरे-धीरे बढ़ेगा। अब, सभी ग्रामीणों ने पानी रिचार्ज करने के लिए पूरे क्षेत्र में लगभग 800 ऐसे कुओं का उपयोग करने का लक्ष्य रखा है।"

यूपी में पेड़ लगाने का बना रिकॉर्ड- पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि एक ही दिन में 30 करोड़ पौधे रोपने का नया रिकॉर्ड है। पीएम मोदी ने कहा, "कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश से एक और उत्साहजनक खबर आई, जब एक ही दिन में 30 करोड़ पेड़ लगाए गए, जो एक रिकॉर्ड है।" उन्होंने कहा, "यह प्रयास राज्य सरकार द्वारा शुरू किए गए एक अभियान का हिस्सा था। ऐसे प्रयास जन भागीदारी के साथ-साथ जन जागरूकता के महान उदाहरण हैं। मैं चाहूंगा कि हम सभी पेड़ लगाने और पानी बचाने के ऐसे प्रयासों में शामिल हों।"

ओम बिरला ने किया असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन, बोले- यह हमारे लोकतंत्र का मंदिर

गुवाहाटी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को गुवाहाटी में असम विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर असम के सीएम और केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे। असम विधानसभा के उपाध्यक्ष नुमल मोमिन ने बताया कि अगला विधानसभा सत्र इस नए भवन में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और केंद्रीय मंत्री सबानंद सोनोवाल भी उपस्थित थे। अधिकारियों के मुताबिक, इस नए भवन की नींव 10 साल पहले रखी गई थी और तब इसके निर्माण पर 234.84 करोड़ रुपये का खर्च आने का अनुमान था, लेकिन देरी के कारण अब 351 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अधिकारियों के अनुसार, नए भवन में 180 विधायकों के बैठने की व्यवस्था , जबकि मौजूदा विधानसभा भवन में 126 विधायक बैठ सकते हैं। असम विधानसभा के नए भवन के उद्घाटन समारोह में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा, "तो, मैं आपको बताना चाहूंगा कि यह हमारे लोकतंत्र का मंदिर है। इसमें विचार-विमर्श और चर्चा होनी चाहिए।" इस मंदिर में संवाद, हर गंभीर मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए, लेकिन विधानसभा और लोकसभा में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए। लोगों को विधानसभा और लोकसभा से बहुत उम्मीदें होती हैं।

श्रद्धालुओं के लिए खुला नवनिर्मित राम जन्मभूमि पथ; उमड़ा भक्तों का रेला, लगे जय श्रीराम के नारे

अयोध्या। रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण तो नवंबर के अंत तक पूरा होगा, किंतु वहां तक पहुंचने का नया रास्ता रविवार से ही खुल गया। निमार्णाधीन राम मंदिर के ही अनुरूप यह नया रास्ता भी भव्यता का पर्याय है। रामजन्मभूमि पथ के नाम से नवनिर्मित यह मार्ग 566 मीटर लंबा एवं 30 मीटर चौड़ा है। यह मार्ग शुरू होने के पूर्व तक रामजन्मभूमि तक जाने के हनुमानगढ़ी और दशरथमहल के सामने से पारंपरिक मार्ग का प्रयोग होता था। यद्यपि मंदिर निर्माण के साथ इस पारंपरिक मार्ग का भी चौड़ीकरण किया जा रहा है। मंदिर निर्माण पूरा होने और वहां रामलला की स्थापना के बाद तय किया जाएगा कि इस चौड़ीकरण के बाद इस पारंपरिक मार्ग का किस तरह उपयोग किया जाएगा। रविवार को दूसरी बेला से यह पारंपरिक मार्ग रामलला के दर्शनार्थियों से मुक्त हो गया और रामलला के दर्शनार्थी हनमानगढ़ी के सामने से रामजन्मभूमि तक जाने की बजाय बिड़ला धर्मशाला एवं सुग्रीवकिला के सामने से राम मंदिर की ओर बढ़े और अमावा राम मंदिर तथा रंगमहल के पीछे से होकर उन्होंने रामजन्मभूमि परिसर में प्रवेश किया। नवनिर्मित मार्ग का लोकार्पण वेद मंत्रों के बीच रामलला के दर्शनार्थियों पर पुष्पवर्षा के साथ किया गया। इस अवसर पर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं अयोध्या राजपरिवार के मुखिया बिमलेंद्रमोहन मिश्र, डा. अनिल मिश्र, महंत दिनेंद्रदास, विहिप के शीर्ष नेता गोपालजी, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्त, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, यूपी भूमि विकास बैंक के पूर्व चेयरमैन निशेंद्रमोहन मिश्र गुड्डू, विहिप के प्रांतीय प्रवक्ता शरद शर्मा आदि सहित मंडलायुक्त गौरव दयाल एवं जिलाधिकारी नितीशकुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। दर्शन मार्ग बदले जाने से जहां रामलला के दर्शनार्थियों को कहीं अधिक सुगम, प्रशस्त तथा पांच सौ मीटर की दूरी कम करने वाला मार्ग उपलब्ध हुआ है, वहीं मंदिर का परकोटा निर्माण भी कारण माना जा रहा है। परकोटा निर्माण के लिए यह जरूरी माना जा रहा था कि पारंपरिक दर्शन मार्ग से मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का प्रवेश रोका जाय। हालांकि नवनिर्मित रामजन्मभूमि मार्ग अभी पूरा नहीं हुआ है, किंतु इतना जरूर बन गया है कि श्रद्धालुओं का उस पर आवागमन सुनिश्चित हो सके।

'अवमानना का प्रयोग करते समय अदालतों को भावनाओं में नहीं बहना चाहिए', शीर्ष कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अवमानना क्षेत्राधिकार का प्रयोग करते समय अदालतों को अति संवेदनशील नहीं होना चाहिए या भावनाओं में नहीं बहना चाहिए। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की जिसमें अदालत की अवमानना के लिए एक डॉक्टर का लाइसेंस रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायालय ने बार-बार कहा है कि न्यायालयों द्वारा प्राप्त अवमानना क्षेत्राधिकार का उद्देश्य केवल मौजूदा न्यायिक प्रणाली के विश्वास को कायम रखना है। इस शक्ति का प्रयोग करते समय न्यायालयों को अत्यधिक संवेदनशील नहीं होना चाहिए या भावनाओं में नहीं बहना चाहिए, बल्कि विवेकपूर्ण तरीके से कार्य करना चाहिए। पीठ ने कहा कि अवमानना कार्यवाही में दंड के तौर पर डॉक्टर का लाइसेंस निलंबित नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा, एक

मेडिकल प्रैक्टिशनर पेशेवर कदाचार के लिए भी अदालत की अवमानना का दोषी हो सकता है, लेकिन यह संबंधित व्यक्ति के अवमाननापूर्ण आचरण की गंभीरता या प्रकृति पर निर्भर करेगा। हालांकि, ये अपराध एक दूसरे से अलग और भिन्न होते हैं। पहला न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 द्वारा विनियमित है और दूसरा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 के अधिकार क्षेत्र के तहत है। शीर्ष अदालत कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने एकल पीठ के विभिन्न आदेशों को बरकरार रखा था। एकल पीठ ने अनधिकृत निर्माण को हटाने में विफलता के लिए अपीलकर्ता के खिलाफ शुरू की गई अवमानना कार्यवाही में दंड के रूप में अपीलकर्ता का मेडिकल लाइसेंस निलंबित कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि डॉक्टर ने पिछले हिस्से में लगभग 250 मिमी के अपवाद के साथ अपेक्षित विध्वंस किया है क्योंकि यह कानूनी रूप से निर्मित इमारत को असुरक्षित बना देगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बोल, बौद्ध मठ तोड़कर बद्रीनाथ, केदारनाथ और जगन्नाथपुरी बनाए गए

लखनऊ। सपा महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा है कि बद्रीनाथ, केदारनाथ और जगन्नाथपुरी धाम बौद्ध मठ तोड़कर बनाए गए हैं। अगर भाजपा के लोग हर मस्जिद में मंदिर ढूढेंगे तो बौद्ध हर मंदिर में बौद्ध मठ ढूढेंगे जिसके ऐतिहासिक साक्ष्य भी मौजूद हैं। इसलिए बेहतर है कि हर धार्मिक स्थल की 15 अगस्त 1947 की स्थिति को कायम रखा जाए। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि भाजपा साजिश के तहत हर रोज हिंदू और मुसलमान का मुद्दा उठाती है। मंदिर-मस्जिद को लेकर समाज में भेदभाव फैलाने का काम भाजपा कर रही है जबकि हमारा संविधान सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। भाजपा हर मस्जिद में मंदिर खोज लेती है। हर मंदिर में बौद्ध मठ स्थापित है। यहां तक कि बद्रीनाथ और केदारनाथ भी पहले बौद्ध मठ था। शंकराचार्य ने बौद्ध मठ को परिवर्तित कर बद्रीनाथ धाम स्थापित किया था। मौर्य ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने मेरे बयान पर आपत्ति जताई है। मैं उनको बताना चाहता हूं कि सबकी आस्था एक जैसी होती है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 1991 में उपासना स्थल का विधेयक भी पारित हुआ था। अयोध्या के अलावा किसी भी धार्मिक स्थल में बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि इतिहासकार चार्ल्स

ऐलन ने भी माना है कि बौद्ध मठ को परिवर्तित किया गया है। मौर्य ने कहा कि सच को छिपाने से अच्छा है कि सच को स्वीकार किया जाए। सभी धर्मों का सम्मान करने से समाज से नफरत खत्म होगी। वहीं, मायावती के बयान पर उन्होंने कुछ भी टिप्पणी करने से मना कर दिया। कहा कि वो मेरी नेता रही हैं। बता दें कि मायावती ने कहा था कि मौर्य का बयान विवादों को बढ़ाने वाला है।

बीते नौ साल में देश बबार्दी की कगार पर : शिवपाल यादव राष्ट्रीय महासचिव सपा

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने होटल रिवर व्यू में प्रेस वार्ता के दौरान कहां कि भाजपा को दस साल जनता ने मौका दिया बीते नौ साल में देश को बबार्दी के कगार पर पहुंचा दिया। भाजपा सरकार ने अपने स्वार्थ के लिए मणिपुर जैसी घटना होने दी। हालात यह है कि आज प्रधानमंत्री जी लोकसभा का सामना नहीं कर पा रहे हैं। भाजपा की सरकारों ने देश की जनता का भरोसा तोड़ा है। महंगाई, बेरोजगारी बढ़ायी है। किसानों की आय नहीं बढ़ी। लूट हत्या बलात्कार भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है भाजपा सरकार में इस देश में अपराध नंबर 1 पर हो गया है देश की जनता अब भाजपा सरकार से निजात पाना चाहती हैं। शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा के लोग इंडिया गठबंधन से घबराए हुए हैं। ये लोग देश को क्या आगे बढ़ाएंगे? भाजपा वाले इंडिया गठबंधन का मुकाबला नहीं

कर सकते हैं। भाजपा की सरकार ने महंगाई बहुत बढ़ा दी। डीजल, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, सरसों का तेल, खाने-पीने की चीजें सब महंगी हैं। इस सबका मुनाफा किसकी जेब में जा रहा है? भाजपा सरकार गरीब और मध्यम वर्ग की जेब काटकर मुनाफा अपने उद्योगपति मित्रों की तिजोरियों में डाल रही है। इंडिया गठबंधन में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन में बहुत से अनुभवी नेता हैं। सभी ने अपने-अपने राज्यों में अच्छे और बड़े विकासकार्य किये हैं। गठबंधन के लिए पीएम पद कोई मुद्दा नहीं है। हमारे पास कई चेहरे हैं। कई च्वाइस हैं। जबकि भाजपा के पास तो सिर्फ एक चेहरा है। बीजेपी के पास कोई च्वाइस नहीं है। मुख्य रूप से विधायक लकी यादव, पंकज पटेल,पूर्व विधायक लंलन प्रसाद यादव,लालबहादुर यादव, निवर्तमान अध्यक्ष डां अवधनाथ पाल, सत्येंद्र उपाध्याय,संगीता यादव, राहुल त्रिपाठी आदि लोग उपस्थित रहे।

मंत्री तेज प्रताप यादव ने बनाया छात्र राजद भारत, लालू प्रसाद भी बड़े बेटे के साथ मंच पर पहुंचे

पटना। बिहार सरकार के मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने एक और संगठन बनाया है। इसका नाम दिया है छात्र राजद भारत। पटना में कई जगह इसके पोस्टर देखे गए। इसमें तेज प्रताप यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव की तस्वीर लगाई है। पोस्टर में स्पष्ट लिखा गया है कि राष्ट्रीय जनता दल को मजबूती प्रदान करने के लिए छात्र राजद भारत है। यानी तेज प्रताप ने स्पष्ट कर दिया है यह संगठन अलग नहीं होगा। यह राजद के अंदर ही काम करेगी। और पार्टी को मजबूती प्रदान करने के लिए छात्र राजद भारत के कार्यकर्ता काम करेंगे। रविवार को मंत्री तेज प्रताप यादव ने अपने संगठन बनाने के पहली बैठक का आयोजन किया। यह बैठक तेज प्रताप ने 3 स्ट्रैंड रोड स्थित अपने आवास पर की। बैठक में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव भी मंच पर तेज प्रताप यादव के साथ दिखे। हालांकि, उन्होंने तेजस्वी यादव को भी आमंत्रित किया था।

लेकिन, उनकी कुर्सी खाली ही दिखी। लालू के मंच पर होने का मतलब साफ है कि तेज प्रताप के इस नए संगठन को उन्होंने अपनी मंजूरी दे दी है। बता दें कि अपने आवास पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तेज प्रताप यादव साइकिल से पहुंचे। यहां पर छात्र राजद भारत के कार्यकताओं ने पहले से सारी तैयारियां पूरी कर ली थी। कुछ देर बाद राजद सुप्रीमो भी यहां पहुंचे। इससे पहले तेज प्रताप यादव ने इससे पहले छात्र जनशक्ति परिषद का भी गठन किया था। उस समय छात्र राजद के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष आकाश यादव को पद से हटा दिया गया था। उस वक्त तेज प्रताप यादव का यह संगठन खूब चर्चा में था। यह संगठन छात्र राजद से अलग था।

डेढ़ साल की कांग्रेस सरकार ने बंद की थी शिवराज की 51 योजनाएं : इंदौर में शाह ने कमलनाथ को बताया करप्शननाथ

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में बूथ सम्मेलन को संबोधित करते हुए देवी अहिल्या बाई होल्कर को याद किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सहित कई गणमान्य नेता मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश की जनता का हृदय से धन्यवाद करता हूं कि जिसने भाजपा पर कृपा करके, भाजपा की झोली वोटों से भर दी। आज कार्यकताओं का ये उत्साह बता रहा है कि 2023 और 2024 के चुनाव में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

'मालवा में हो रहा प्रदेश का पहला सम्मेलन'- उन्होंने कहा कि आज कार्यकताओं से आह्वान करने आया हूं। एक प्रकार से विधानसभा चुनाव 2023 की आज यहां शुरूआत हो जा रही है। पूरे मध्य प्रदेश में और हर संभाग में इसी तरह के सम्मेलन होने हैं और मध्य प्रदेश में सबसे पहला सम्मेलन मालवा प्रदेश में हो रहा है।

गृह मंत्री ने कहा, आज मोदी जी ने दुनिया में भारत का झंडा बुलंद करने का काम किया है। हर जगह सिर्फ मोदी-मोदी के नारे लग रहे हैं और ये नारे मध्य प्रदेश, भारत और देश की 140 करोड़ जनता के सम्मान में लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले आए दिन पाकिस्तान से आलिया, मालिया, जमालिया आते थे और गोलियां चलाकर चले जाते थे और केंद्र सरकार कुछ नहीं करती थी। मोदी सरकार आई और फिर पाकिस्तान ने उरी व पुलवामा में हमला किया, लेकिन वे भूल गए कि

अब यहां यूपीए की नहीं, भाजपा सरकार है। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लटका रही थी, अटका रही थी और भटका रही थी, लेकिन मोदी जी के नेतृत्व में कोर्ट का फैसला आया और मोदी जी ने राम मंदिर का भूमिपूजन कर दिया। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह महाकाल लोक बनाना हो, चाहे काशी विश्वनाथ कोरिडोर बनाना हो, चाहे सोमनाथ का मंदिर बनाना हो, मोदी जी ने हमारे तीर्थों का उद्धार किया है। उन्होंने कहा, हर घर नल से जल के माध्यम से 60 लाख 22 हजार घरों में जल का कनेक्शन पहुंचा। आयुष्मान भारत के तहत 3 करोड़ 60 लाख गरीबों को 5 लाख तक का सारा स्वास्थ्य का खर्चा मुफ्त में देने का काम मोदी जी ने किया।

उन्होंने कहा कि कमलनाथ की सरकार डेढ़ साल चली और शिवराज की 51 योजनाएं बंद कर दी थी। कमलनाथ ने कोई इंडस्ट्री तो चालू नहीं की, लेकिन ट्रांसफर इंडस्ट्री चालू कर दी। बाद में शिवराज ने मध्य प्रदेश को बीमारू राज्य से विकास की तरफ ले जाने वाला राज्य बनाया। सर्व शिक्षा अभियान का बजट 8 गुना बढ़ाया। अमित शाह ने कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि कमलनाथ नहीं, वो करप्शन नाथ थे। वे मध्य प्रदेश का बजट 23 हजार करोड़ का छोड़कर गए थे। लेकिन 2023 में मुख्यमंत्री शिवराज ने 3 लाख 14 हजार करोड़ का बजट पेश किया। इंदौर में संभागीय कार्यकर्ता सम्मेलन में इंदौर संभाग के नौ जिलों के 186 मंडल अध्यक्ष, 10311 बूथ अध्यक्ष सहित करीब 50 हजार कार्यकर्ता शामिल हुए।

चिराग पासवान बोले- शेर का बेटा हूं, कफन बांधकर निकला हूं; बिहार को विकसित राज्य बनाकर ही दम लूंगा

पटना। लोजपा (रामविलास) चिराग पासवान ने एक बार फिर से सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोला। रविवार दोपहर रङ मेमोरियल हॉल में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वो लोग सोच रहे थे लोजपा को तोड़ दो टूट जाएगा चिराग पासवान। लेकिन, नहीं टूटा चिराग। फिर षडयंत्र रचा कि इसको इसके घर से निकालकर सामान को बाहर निकाल दो, फिर भी नहीं टूटा चिराग पासवान। जो सोचते ऐसा सोचते हैं, वह भूल जाते है कि चिराग पासवान शेर का बेटा है। चिराग ने कहा कि मैं न झुकने वाला हूं, न टूटने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जिसकी ताकत आजमानी है आजमा लीजिए। मैं सिर पर कफन बांधकर निकल चुका हूं। जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा तब तक चैन से नहीं बैठूंगा। वहीं सीएम नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि कटिहार में प्रशासन के लोगों ने किसानों की हत्या की है और बिहार सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी दलों की बैठक में व्यस्त हैं लेकिन किसानों से मिलने का उनके पास समय नहीं है। नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री के साथ-साथ गृहमंत्री भी हैं इसलिए जाकर घटनास्थल पर जाकर निरीक्षण करना चाहिए।

चिराग ने आरोप लगाया कि नीतीश सरकार लाठी-डंडों और गोली से बात कर रही है। कटिहार मामले में सरकार लीपापोती करने का काम कर रही है। अब सरकार कह रही है कि किसानों की मौत गोली पुलिस की गोली से नहीं हुई है। चिराग ने कहा कि यह लाठी और गोली की सरकार लोगों को डराने का काम कर रही है। बिहारी अपना हक मांग रहे हैं तो उनको लाठी और गोली मिल रही है।

संपादकीय

केवल कानून बनाने और दंडित करने से नहीं रुकेगी दरिंदगी

देश की राजधानी नई दिल्ली में एक दशक पहले निर्भया के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। जिस तरह से उस बालिका के साथ दुष्कर्म और दरिंदगी की गई थी, उससे पूरा देश दहल गया था। आनन-फानन में कई कानून बनाए गए। फांसी देने तक के प्रावधान किए गए। इसके बाद भी दरिंदगी पर रोकथाम नहीं लगी है। उल्टे यह दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। केवल कानून बना देने और उसमें कड़े दंड के प्रावधान कर देने से महिलाओं और बच्चियों के साथ जो दरिंदगी हो रही है। उसे रोक पाना शायद ही संभव होगा। इसके लिए सरकार, समाज और परिवार को भी सोचना होगा कि यह दरिंदगी कहां से आ रही हैं। भोली-भाली बच्चियों के साथ लोग इतने अत्याचार कैसे कर लेते हैं। पिछले वर्षों में छोटी-छोटी सी बच्चियों के साथ जिस तरह से दरिंदगी की गई है, उससे भारत की सामाजिक व्यवस्था की सोच उजागर हो रही है। घटनाओं को रोकने के लिये कानून बनाए गए थे। निर्भया फंड की स्थापना की गई थी। बड़े-बड़े दावे किए थे। कड़े कानून से अपराध करने वालों के साथ कड़ाई से निपटा जाएगा। यौन अपराधों पर नियंत्रण होगा। पिछले 11 वर्षों के परिणामों पर नजर डालें, तो यौन अपराध और दरिंदगी कम होने के स्थान पर बढ़ती ही जा रही है। यह कैसे कम होगी, हम कानून बनाकर भूल गए हैं कि इससे अपराध पर नियंत्रण हुआ है या नहीं। अपराध बढ़ने के कौन कौन से कारण हैं। उन कारणों को दूर करने की दिशा में शासन, प्रशासन और सामाजिक स्तर पर कोई प्रयास किए गए हैं या नहीं। सोशल मीडिया और इंटरनेट इस तरह की अपराधिक घटनाओं के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माने जा रहे हैं। आज अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है। स्कूल में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाना और स्मार्टफोन के माध्यम से पढ़ाई करना आवश्यक हो गया है। इंटरनेट पर अश्लील वेबसाइट की भरमार मची हुई है। गूगल, यूट्यूब और अन्य ऐप के माध्यम से बच्चों और समाज के सभी वर्ग को आसानी के साथ पोर्न वीडियो का शिकार बनाया जा रहा है। बहुत कम उम्र में यौन संबंध के हजारों मामले सामने आ चुके हैं। एकल परिवार के कारण बच्चे अपना अधिकांश समय स्मार्टफोन में बिताते हैं। समाज के सभी उम्र के लोगों में इंटरनेट के कारण अश्लील वेबसाइट इत्यादि चाहे और अनचाहे रूप में देखने को मिलती है। धीरे-धीरे इसका नशा इस तरह से चढ़ जाता है, कि मन और मस्तिष्क कुंठित होकर रह जाता है। ऐसी कुंठित समाज में इस तरह के अपराधों पर नियंत्रण कानून और दंड से कर पाना शायद ही संभव होगा। यदि दरिंदगी पर वास्तविक तौर पर नियंत्रण करना है, तो समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक जिम्मेदारी, इंटरनेट पर क्या उपलब्ध होगा, इसके लिए सरकार की जिम्मेदारी तय की जानी जरूरी है। सरकार के मुखिया और जांच अधिकारी इंटरनेट पर जाकर देखें कि अश्लील सामग्री बड़ी मात्रा में सभी वर्ग को उपलब्ध है। गूगल के सर्च इंजन, यूट्यूब के सर्च इंजन के माध्यम से जिस तरह की मानसिकता भारतीय समाज की पैदा की जा रही है, वही यौन अपराधों को बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका अदा करती हुई नजर आ रही है। सरकार और महिला संगठन यदि सोचते हैं कि दरिंदगी और यौन अपराधों को कानून बनाकर अथवा दंडित करके इस समस्या से निपटा जा सकता है, तो यह बेमानी है। यदि ऐसा होता तो अभी तक यौन अपराधों पर नियंत्रण पा लिया गया होता। नियंत्रण की बात तो दूर, यौन अपराध और दरिंदगी बढ़ती जा रही हैं। कड़े कानूनों के कारण यौन अपराध करने वाले लोग दरिंदगी करते हैं। सबूत को मिटाने के लिए महिलाओं और बच्चियों को मार डालने तक का कुकृत्य करते हैं। बच्चियों और महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के साथ उनकी जान भी जा रही है। पिछले वर्षों में एक तरफा कानून बनाए गए हैं। उसके बाद कानूनों का दुरुपयोग भी बड़े पैमाने पर होने लगा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट भी सरकार का ध्यान आकर्षित कर चुकी है। जो विशेष कानून विशेष वर्ग को संरक्षण देते हैं, उनका बड़े पैमाने में भारत में दुरुपयोग होने लगता है।

रहना है विवादित!

रह रह कर जिह्वा से ।
आते हैं बयान ।।
रहना है विवादित ।
इसी में सम्मान ।।
छोड़ कर सब काम ।
किए एजेंडा तय ।।
पकड़ लिए हैं अपनी ।
जो पुरानी लय ।।
है नजदीक चुनाव ।
चर्चा में अब रहना ।।
बोल कर कुछ बोल ।
है आगे टहलना ।।
रोटी पानी बनी रहे ।
है उसका जुगाड़ ।।
हल्की फुल्की इसलिए ।
दिखती ये दहाड़ ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अपने पाठक से बतियाने लगती है मुंशी प्रेमचंद की रचनाएं

हिंदी साहित्य के अद्वितीय , अनूठे और अमर कहानीकार एवं उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित लगभग तीन सौ कहानियों और बारह उपन्यासों का अध्ययन करते समय पाठकों के मन, मस्तिष्क और हृदय में गॉवो का सहज , सरल, ठेठ , देशज और देहाती अंदाज तथा गरीब और गांव की व्यथा सजीव होने लगती हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य को अत्यंत समृद्धशाली बनाने और बुलंदी प्रदान करने वाली उनकी सर्वश्रेष्ठ कहानियों और उपन्यासों को पढ़कर पाठक पिढि- दर- पिढि संवाद करता हुआ नजर आता है। उनके उपन्यास हो या कहानियां अपने पाठकों खुलकर स्वछंद भाव से बतियाने लगती है। पाठक और कहानियां एक दूसरे से इस तरह घुल-मिल जाती हैं जैसे एक दूसरे से जान-पहचान बहुत पुरानी हो । मुंशी प्रेमचन्द की साहित्यिक प्रतिभा इस दृष्टि से उत्कृष्ट है कि -उनकी कहानियों के चरित्र वर्तमान दौर के पाठकों से सहज संवाद करती हैं । उनकी कहानियों के चरित्र और उनके दौर से रूबरू होना हमारे समाज की एक स्वाभाविक जरुरत बन जाता है । हिन्दी साहित्य परम्परा में मुंशी प्रेमचंद की महानता यह है कि-उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से काल्पनिक, तिलिस्मी, अय्यारी, देव लोक की सुन्दर परियों और स्वर्ग -नरक की किस्सों कहानियों से भरी लेखन परम्परा को ध्वस्त कर गाँवों के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जन-जीवन का यथार्थवादी चित्र परोसने का उत्कट और साहसिक प्रयास किया। मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक कुशाग्रता इस दृष्टि से अनूठी है कि -उन्होंने अपनी कहानियों में चुन-चुन कर देशज शब्दों का प्रयोग किया है और भाषा शैली भी देशज है। इसके साथ उनकी कहानियों के किरदार आम जनजीवन की समस्यायों से लड़ता -जूझता आम आदमी है। इसलिए उनकी कहानियां वर्तमान को जागरूक और संघर्ष के लिए उत्प्रेरित करती नजर आती हैं।

दो सौ वर्षों की ब्रिटिश हुकूमत ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं की प्रतिपूर्ति में भारतीय गॉवो की आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन, स्वाधीनता और सुख-चैन का क्रूरता और निर्लज्जता से दमन कर दिया था। ब्रिटिश हुकूमत द्वारा इन लूटे-पिटे गॉवो की दुर्दशा तथा दुर्व्यवस्था और इसमें रहने वाले लोगों की व्यथा ,विवशता और जलालत और जहालत भरी जिन्दगी की दुश्वारियों को अपनी रचनाओं के माध्यम से मुंशी प्रेमचंद ने मार्मिक और यथार्थवादी रूप से प्रस्तुत करने का श्लाघनीय प्रयास किया है। सामंतवाद, पुरोहितवाद और महाजनी व्यवस्था के सम्मिलित शोषण से कराहते आम आदमी की कातर कराहो और चीखो को अपनी रचनाओं में मुंशी प्रेमचंद ने प्रखर आवाज दिया हैं। सामंतवाद के शोषणकारी हंथकंडो, आम आदमी को आर्थिक रूप से निचोडने वाले पुरोहितवाद के कर्म-काण्डो और महाजनी व्यवस्था के लूट-खसोट और सफेदपोश डाकाजनी पर विविध कहानियों के माध्यम से मुंशी प्रेमचंद ने करारा प्रहार किया है। मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक प्रतिभा इस दृष्टि से अद्वितीय है कि-उन्होंने आम आदमी से लेकर रसूखदार लोगों के भाव, स्वभाव, मनोभावों, मनोविकारों और मनुष्य के मन, मस्तिष्क और हृदय में उमडती- घूमड़ती विविध हलचलों की अपनी सर्जनाओं द्वारा सटीक, तार्किक और वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत की है। इसके साथ ही समाज में प्रभुत्त्वशाली वर्ग द्वारा स्थापित परम्पराओं, रीति-रिवाजों और कुसंस्कारो के समक्ष नतमस्तक आम आदमी की विवशता को भी मुंशी प्रेमचंद ने तार्किक और न्यायसंगत तरीके प्रस्तुत किया है। मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी " सदगति " में कर्मकाण्डो के समक्ष आम आदमी की विवशता साफ-साफ दिखाई देती है। दलित समुदाय से आने वाला " दुखी" महज साइत निकलवाने के लिए पंडित घासीराम की बेगारी करते करते मर जाता हैं।

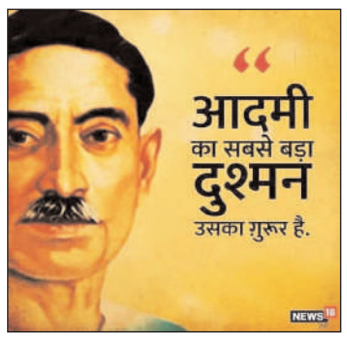

इस दौर में जब देश के चन्द पूंजीपतियों ,औद्योगिक घरानों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दबाव में सरकारें किसानों को उनकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल कर रही हैं मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी ' पूस की रात ' के मुख्य पात्र हलकू किसान का संघर्ष वर्तमान दौर के छोटे और मझोले किसानों को प्रेरणा और उर्जा प्रदान करता है। हांड कपा देने वाली ठंड भरी रात में कर्ज में डूबा हलकू बर्बर जंगली जानवरों से फसल की रक्षा करने के लिए खेत अगोरने के लिए निकल पडता है। इस तरह अपने जमीन के एक टुकड़े के

लिए अपना सम्पूर्ण जीवन न्योछावर कर देना देश के अंदर चल रहे अनगिनत किसान आंदोलनों को प्रेरणा दे सकता हैं। कर्जदारी और खेती-किसानी की अन्य समस्याओं से उजडते किसानों की व्यथा तथा बेदखली से किसान से मजदूर के रूप में बदलते किसानों की पीड़ा को पूष की रात की कहानी के माध्यम से समझा जा सकता है। स्वाधीनता उपरांत औपचारिक रूप से जमींदारी और जागीरदारी को समाप्त कर दिया गया। परन्तु आधुनिक समय में बहुराष्ट्रीय कंपनियों, पूँजीपतियों और औद्योगिक घरानों के रूप में नये जमींदारों और जागीरदारों का उदय हुआ है। इन नये नवेले जमींदारों के पक्ष मे सरकारे कर्ज की जंजीर और जंजाल में डूबे लाखों करोड़ों किसानों को जमीन से बेदखल कर रही हैं , जिससे छोटी जोत के किसान आज तेजी से मजदूर बनते जा रहे हैं।

मुंशी प्रेमचंद की हर कहानी मनुष्यता को स्थापित करने का सार्थक प्रयास है। ईदगाह जैसी कहानी में पुरूखो के प्रति सम्मान और समर्पण स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। नन्हा सा बालक हमीद मेले में खेल-खिलौने न खरीद कर अपनी दादी के लिए चिमटा खरीद कर लाता है। इस कहानी में बाल मन की कोमलता, अपनी दादी के प्रति सहज प्रेम अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच जाता है। इस कहानी ने भावनाओं के ईमानदार लेखक के रूप में मुंशी प्रेमचंद को अमर कर दिया। अंग्रेजों की न्याय व्यवस्था खचीर्ली, उबाऊ और समयघोटु थी। इसकी प्रतिक्रया में मुंशी प्रेमचंद ने भारतीय जनमानस में प्रचलित पंचायत प्रणाली द्वारा न्याय व्यवस्था का पंच परमेश्वर की कहानी के माध्यम से स्पष्ट करने का प्रयास किया है। इस पंच परमेश्वर की कहानी में भारतीय न्याय व्यवस्था में व्याप्त निष्पक्षता और इंसानियत का बेहतर चित्रण किया है। पंच परमेश्वर की कहानी में न्यायाधीश के रूप में अलगू चौधरी दोस्ती और दुश्मनी से ऊपर उठकर न्याय करते हैं। पंच परमेश्वर की कहानी में न्याय के अतिरिक्त हिन्दू और मुस्लिम जीवन पद्धति में बढते साहचर्य, समन्वय और सहकार का तार्किक चित्रण पाया जाता हैं।

वर्तमान दौर में बढती प्रतीकात्मक राजनीति को उस दौर में मुंशी प्रेमचंद ने दूरदर्शिता पूर्वक समझने, परखने और रेखांकित करने का प्रयास किया था। वर्तमान दौर में व्यापक और बुनियादी हितों के बजाय प्रतीकात्मक और भावनात्मक मुद्दों पर राजनीति का चलन-चलन बढता जा रहा हैं। बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण और बेहतर चिकित्सा जैसे मुद्दे संसद और विधानसभा के पटल से लेकर टीवी चैनलों पर होने वाली बहसों से गायब है। ईमानदारी, सच्चाई और सचरित्रता जैसी भावात्मक चीजे भौतिक वस्तुओं की तरह खरीदी-बेची जा सकती हैं। बढते बाजारवाद और उपभोक्तावादी संस्कृति में भौतिक वस्तुओं की तरह भावात्मक चीजे भी खरीदने- बेचने का विषय बनती जा रही है। इसको मुंशी प्रेमचंद ने अपने दौर में समझ लिया था। नमक के दरोगा की कहानी में ईमानदार दरोगा अलोपीदीन को बेहतर वेतन और सुविधाओं द्वारा उसी भ्रष्ट सेठ द्वारा सम्मानित किया जाता हैं जिसके अवैध कारोबार को ईमानदार अलोपीदीन ने पकड़ा था। मुंशी प्रेमचंद मानव मन के सर्वश्रेष्ठ व्याख्याकार के साथ-साथ बेहतर मानव जीवन के लिए संघर्ष के उत्कट प्रेरक हैं। मुंशी प्रेमचंद कार्ल मार्क्स, हीगल, जरमी बेंथम और जान स्टुअर्ट मिल जैसे राजनीतिक और दार्शनिक विचारकों की परम्परा के दार्शनिक और विचारक नहीं थे। परन्तु उनकी कहानियों और उपन्यासों में राजनीतिक व्यवस्था में व्याप्त शोषण के औजारों का बौद्धिक, तार्किक, वैज्ञानिक और सार्थक व्याख्या पाई जाती है और जनता के व्यापक हितों के पक्ष में जनक्रांति की वकालत करते हैं। लम्ही में पैदा हुए मुंशी प्रेमचंद ने कहा था कि- व्यक्ति की चेतना उसकी सामाजिक परिस्थितियों का निर्माण नहीं करती बल्कि सामाजिक परिस्थितियॉ चेतना का निर्माण करती हैं। अपने दौर की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियों का विश्लेषण करने वाला साहित्यकार युगांतरकारी और कालजयी हो जाती हैं। अपनी उत्कृष्टतम साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से मुंशी प्रेमचंद भारतीय सीमाओं को पार कर वैश्विक विभूतियों में शामिल हो गये। वैश्विक स्तर पर मुंशी प्रेमचंद की तुलना महान रसियन उपन्यासकार मैक्सिम गोर्की के साथ की जाती हैं। मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित गोदान का वैश्विक साहित्य में वही स्थान है जो मैक्सिम गोर्की द्वारा रचित प्रसिद्ध उपन्यास मॉ त ङ्काँ१त का हैं। प्रगतिशील लेखक संघ के प्रथम अध्यक्ष महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की स्मृतियों को नमन करता हूँ।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ।

क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी सत्येंद्रनाथ बोस

उन्हें आदर के साथ लोग सत्येन बोस के नाम से भी पुकारते थे। अलीपुर बम मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में अलीपुर जेल अस्पताल में रखे जाने के दौरान सत्येंद्रनाथ बोस ने साथी कैदी कनाईलाल दत्त की मदद से राजकीय गवाह नरेंद्रनाथ गोस्वामी की गोली मार कर हत्या कर दी थी। बोस ने जेल परिसर में आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उन पर मुकदमा चलाया गया था। सत्येंद्रनाथ बोस का जन्म पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में हुआ था।

वे श्रीअरविंद के मामा थे, हालांकि उम्र में वे लगभग दस वर्ष उनसे छोटे थे। प्रवेश और एफए परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, सत्येंद्रनाथ ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के बीए मानक तक अध्ययन किया, लेकिन बीए परीक्षा के लिए नहीं गए। उन्होंने कालेज छोड़ दिया और मिदनापुर कलेक्टरेट में लगभग एक वर्ष तक सेवा की। वे स्वतंत्रता संग्राम में उग्र विचारों वाले क्रांतिकारियों में शामिल हो गए थे। उनको मिदनापुर में अपने भाई के नाम पर लाइसेंसी बंदूक रखने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें दोषी ठहराया गया और दो महीने के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।

पुलिस ने 2 मई, 1908 को कोलकाता में मुरारी पुकुर रोड स्थित एक परिसर पर छापा मारा और हथियारों का जखीरा, बड़ी

मात्रा में गोला-बारूद, बम, डेटोनेटर और अन्य उपकरणों के साथ एक बम-फैक्टरी की खोज की। क्रांतिकारी साहित्य भी जब्त किया। पूरे बंगाल और बिहार में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे गए, और अरबिंदो घोष, बारींद्र कुमार घोष, उल्लासकर दत्त, इंदु भूषण राय और कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान एक बंदी नरेंद्रनाथ गोस्वामी (उर्फ नरेन गोसाई) अंग्रेजों का समर्थक बन गया और पुलिस को कई क्रांतिकारियों के नामों का खुलासा करना शुरू कर दिया, जिससे आगे की गिरफ्तारियां हुईं।

1908 में चंद्रनगर स्टेशन पर गवर्नर की ट्रेन पर बमबारी के प्रयास में कथित संलिप्तता के लिए बारीन घोष, शांति घोष और उल्लासकर दत्त के नामों का उल्लेख किया गया था। मेयर के घर में बम विस्फोट के आरोप में चारुचंद्र राय, जो चंद्रनगर के क्रांतिकारी संगठन के नेता थे, को गिरफ्तार किया गया। बारीन घोष के नेतृत्व में विचाराधीन कैदियों ने अलीपुर सेंट्रल जेल से भागने और गोस्वामी से छुटकारा पाने की योजना बनाई। बैरिस्टर बीसी राय ने कैदियों का बचाव करते हुए हथियारों से मदद की पेशकश की। 23 अगस्त को, शुधांगशु जीनन राय ने तस्करी कर जेल में एक पिस्तौल पहुंचाई। 31 अगस्त, 1908 को, हाईन्स नामक एक यूरोपीय अपराधी ओवरसियर द्वारा नरेंद्रनाथ को उस वार्ड से जेल अस्पताल लाया गया था। नरेंद्रनाथ ने स्पष्ट रूप से उस समय, अस्पताल में, दो साथी कैदियों से मिलने की व्यवस्था की थी, जो पहले से ही जेल अस्पताल में मरीज थे, जिनका नाम कनाईलाल दत्त और सत्येंद्रनाथ बोस था। कनाईलाल और सत्येंद्रनाथ दो रिवाल्वर हासिल करने में कामयाब रहे। उन्होंने नरेन गोस्वामी की हत्या कर दी और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

नरेंद्रनाथ गोस्वामी की हत्या क्रांतिकारी आतंकवाद के इतिहास में पहला साहसिक कार्य था। 21 अक्तूबर 1908 को हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए दोनों को मौत की सजा सुनाई। कनाईलाल ने ऐसे आदेश के खिलाफ अपील दायर करने से इनकार कर दिया। 10 नवंबर 1908 को सुबह लगभग सात बजे अलीपुर जेल में कनाईलाल को फांसी दे दी गई।

संसद में विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर में यानि ससंद सदनों में इन दिनों कुछ ठीक ठाक नही चल रहा है। यहाँ सता पक्ष व विपक्ष में जिस तरह के आचारण प्रर्दशित की गई है ।वह शर्मसार करने वाली है ।चाहे वह मणिपुर की घटना हो या पश्चिम बंगाल की घटना हो ।संसद के इस मानसुन सत्र में लगातार दोनो सदन लोक सभा-राज्य सभा की कार्यवाही लगातार स्थगित किया जाना इस का सबुत है ।संसद को सुचारू रूप से चलाने के लोक सभा के अध्यक्ष व राज्य सभा को सभापति(उपराष्ट्रपति) के साथ सता पक्ष व विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है,ताकि संसद स्वस्थ चर्चा-देश की जनता के लिए कल्याणकारी कार्य हेतु निर्णय व नियम बन सके ।लेकिन इन दिनों संसद की वर्तमान तस्वीर को देखकर सम्पूर्ण राष्ट्र शर्मसार महसूस कर रहा है ।केन्द्र में भाजपा व एन डी ए गठबन्धन वाली सरकार आजादी के अमृत महोत्सव सरकारी खजाने से जनता की गाढ़ी कमाई अर्थात टेक्स के पैसे का पानी की तरह बहा कर जश्न मनाने में मशगुल है ।वही दिपक्ष संसद के इस मानसून सत्र के दौरान मणिपुर के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया है ।अविश्वास का यह निर्णय विपक्ष,क्ठउक्क्अ की बैठक में हुआ ।जैसा कि सर्व विदित है कि संसद के वर्तमान मानसुन सत्र में दोनो सदन में मणिपुर में हिंसा को लेकर कई दिनों से संसद में हंगामा जारी है ।आप को बता दे कि संसद का मानसून सत्र शुरू होने के एक दिन पहले मणिपुर में 4 मई को महिलाओं को निंवस्त्र कर घुमाए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद से भारतीप राजनीति कापी गर्म है ।इरा मुद्धे पर विपक्षी दल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मणिपुर के मुद्दे पर बयान की मांग कर रहे हैं ।हालांकि,20 जुलाई को सत्र शुरू होने से पहले संसद के बाहर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मणिपुर की घटना को शर्मनाक बताते हुए दोषियों की कड़ी सजा दिलाने की बात कही थी,लेकिन विपक्ष का कहना है कि पीएम को सदन के अंदर आकार बयान देना चाहिए ।मंगलवार 25 जुलाई को इसी मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल सभी दलों की एक बैठक हुई ।इस बैठक में सभी दलों ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया तथा विपक्षी दलों ने इसके साथ ही दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग जारी रखने का भी फैसला किया है ।विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया की इस बैठक में सभी दल सहमत थे हालांकि टीएमसी ने अपनी राय जाहिर करने के लिए 24 घंटे का समय मांगा ।यहाँ पर हम स्पष्ट कर दे किसरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव संसद के नियम 198 के तहत लाया जा सकता है ।1952 में इस नियम में 30 लोकसभा सदस्यों के समर्थन का प्रावधान था ।जो अब बढ़कर 50 सदस्यों के समर्थन जरूरी हो गया है ।राजनीति के विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय संसद मे पिछले 60वर्षों में 28 वीं वार अविश्ववास प्रस्ताव लाया जा चुका है ।ऐसे स्थिति तब आती है जब विपक्षी दलों की अनदेखी कर सरकार उनकी बात सुनती नहीं है,या विपक्ष सरकार के कामकाज को लेकर सत्ता पक्ष पर हमलावर होता है ।उस समय अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से विपक्ष अपनी बात बेहतर तरीके से सदन के पटल पर रख पाता है ।आज हम सरकार के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाये कुछ अविश्वास प्रस्ताव की चर्चा करना चाहुंगा। सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ पेश हुए हैं ।जिनकी संख्या 15 है। सन वर्ष 1979 की बात है ।जब केन्द्र में मोरारजी देसाई की सरकार के खिलाफ कॉंग्रेस पार्टी के तरफ से वाई वी चव्हाण द्वारा अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। सदन में मतदान के पहले ही मोरारजी देसाई ने प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद सन 1992 में पीवी नरसिम्हा राव के 5 साल के कार्यकाल में 3 बार अविश्वास प्रस्ताव आये ।पहला अविश्वास प्रस्ताव जसवंत सिंह ने 1992 में पेश किया था ।जिसमें 46 मतों के अंतर से सरकार अविश्वास प्रस्ताव को गिराने में सफल रही। वहीं 1993 में दूसरा अविश्वास प्रस्ताव अटल बिहारी बाजपेई के द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इस को बचाने में सरकार सफल रही। 1993 में तीसरी बार पी वी नरसिंहराव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया ।तब झारखंड मुक्ति मोर्चा के लोकसभा सदस्यों ने सरकार को समर्थन दियाऔर सरकार अविश्वास प्रस्ताव में हुए मतदान में 14 मतों से जीत गई ।नोट देकर वोट लेने का आरोप नरसिंहराव सरकार पर,उस समय विपक्ष ने लगाया था ।इसकी जांच भी हुई बाद में मामला अदालत तक गया था ।आप को स्पष्ट कर दे कि अविश्वास प्रस्ताव की तरह विश्वास प्रस्ताव का भी प्रावधान संसद के नियमों में है ।विश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद तीन सरकारों को पराजय का सामना करना पड़ा ।विश्वास प्रस्ताव में जो सरकारें सदन में गिर गई ।उनमे 1990 में वीपी सिंह की सरकार ,1997 में एचडी देवघोड़ा की सरकार,1999 में अटलबिहारी वाजपेई की सरकार,विश्वास मत सदन में हासिल नहीं कर पाई ।जिसके कारण उन्हें प्रधानमंत्री पद खोना पड़ा।

संक्षिप्त खबरें

यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर शिवम ने किया अपने गांव का नाम रोशन

प्रखर जौनपुर। जिले के नेवढ़िया थाना क्षेत्र के धनेथू बिराजीपुर ग्राम निवासी शिवम दुबे ने अपने प्रथम प्रयास में ही यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने गांव को गौरवान्वित किया है। जानकारी के मुताबिक शिवम वर्तमान समय में काशी हिंदू विश्वविद्यालय से ट.अ. की पढ़ाई कर रहे हैं और उन्होंने यह परीक्षा समाजशास्त्र विषय में ट.अ. में अध्यनरत होते हुए किया है। खुशी के इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष समेत अन्य शिक्षकों ने शिवम को बधाई दी।

करीमुद्दीनपुर पुलिस ने किया बलात्कार के आरोपी अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध को रोकने हेतु अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में रविवार को थाना करीमुद्दीनपुर थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव मय हमराह थाना हाजा पर पंजीकृत धारा 376 भादवि में नामजद अभियुक्त अखिलेश शर्मा पुत्र स्व0 राम प्रसाद शर्मा निवासी ग्राम कमसड़ी थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर उम्र करीब 38 वर्ष को दुबिहा बाजार से लगभग 12.30 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। अभियुक्त की गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम में थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव,कांस्टेबल संदीप कुमार, कांस्टेबल सौरभ पटेल शामिल रहे।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता की दादी की हृदय गति रुकने से निधन, रविवार को हुई अन्येष्टि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता आनन्द दूबे कि दादी कमलावती देवी उम्र 87 वर्ष पत्नी स्व रामदास दूबे,निवासी- ग्राम - काझा, जनपद -मऊ की आज सुबह 3-30 बजे हृदयगति रुकने से निधन हो गया। जिनकी अंत्येष्टि आज रविवार को श्मशान घाट गाजीपुर पर हुई । जहां नगर पालिका के पुर्व अध्यक्ष विनोद अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार सिंह,भाजपा पुर्व जिला महामंत्री सुनिल सिंह, जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा, भाजयुमो क्षेत्रीय मंत्री मंयक जायसवाल, विवेकानंद पांडेय नगर अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, पत्रकार सुनील सिंह, प्रदीप शर्मा मोनू आदि ने पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा मृतात्मा के शान्ति के लिए प्रार्थना किया। इनके निधन पर शुभचिंतक जनों सहित भाजपा गाजीपुर ने शोक व्यक्त किया है।

पीजी कालेज के स्नातकोत्तर स्तर का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर का प्रवेश परीक्षा 23 का स्नातकोत्तर स्तर एमए, एमएससी., एमएससी कृषि तथा एमकाम का प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने परीक्षा परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम योग्यता क्रम के आधार पर घोषित किया गया है। प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों का परीक्षा परिणाम कालेज के वेब साईट पर अपलोड कर दिया गया है, जहां अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थी प्रवेश हेतु अपना आवश्यक अभिलेख तैयार कर लें, क्योंकि शीघ्र ही प्रवेश हेतु कार्यक्रम कालेज के वेबसाईट पर जारी किया जायेगा। जिन अभ्यर्थियों के पास आवश्यक अभिलेख समय से तैयार नहीं होंगे, उन्हें प्रवेश से वंचित होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी अभ्यर्थियों की ही होगी। प्राचार्य प्रोफसर डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने प्रखर पूर्वांचल को बताया कि स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर ने प्रवेश में डिजिटल इण्डिया एवं पूर्ण पारदर्शिता की नीति अपनाते हुए आनलाईन काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है। आनलाईन काउन्सलिंग द्वारा अभ्यर्थी अपने घर बैठे पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रवेश ले सकते हैं। अभ्यर्थियों के पास प्रवेश के लिए हाई स्कूल अंक पत्र व प्रमाण- पत्र, इंटरमीडिएट अंक पत्र व प्रमाण-पत्र, स्नातक स्तर का अंक पत्र व प्रमाण-पत्र, आरक्षित वर्ग के लिए जाति प्रमाण- पत्र, सामान्य के लिए ईडब्लूइस प्रमाण-पत्र, स्थानान्तरण प्रमाण पत्र, अधिभार प्रमाण -पत्र आदि आवश्यक है। प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने सम्मानित अभिभावकों से अपील की है कि समय रहते अभ्यर्थियों सम्बन्धित अभिलेखों को तैयार कराने में अपना सहयोग करें। प्रवेश के समय सम्बन्धित अभिलेखों के अभाव में अभ्यर्थियों को प्रवेश से वंचित रहना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी अभ्यर्थियों एवं अविभावकों की होगी।

धार्मिक

सालिक राम वर्मा

कंवर के चंडी माता मंदिर में भक्तों की आस्था

छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य अंचल रहा है। खासकर बस्तर में आदिवासी आज भी अपनी परंपरा और संस्कृति को बनाए हुए हैं। इसी आदिवासी जनजीवन में जो रूढ़ी परंपरा समाज में प्रचलित है तथा उनके तथ्यों को परखने के बाद किसी नतीजे पर पहुंचकर पुस्तक के रूप में प्रकाशन करने का का काम लेखिका ने यहां किया है। आपने प्रकृति पूजा और आदिवासी समाज, कुछ बातें पर्यावरण के संबंध में, प्रदूषण तीज-त्योहार और वृक्षों का महत्व एवं औषधीय प्रयोग जैसे शीर्षक से अधिक से अधिक बहुपयोगी सामग्रियां को शामिल किया है। इस तरह पुस्तक में बहुत सी दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली जानकारियों को समाहित कर समाजोपयोगी बनाने का अच्छा प्रयास हुआ है जिनका लाभ पाठकों को मिलेगा।

पुस्तक समीक्षा

आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

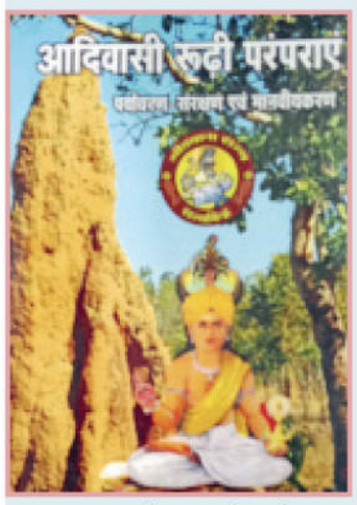

कृति के नाव
आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

कृतिकार
श्रीमती एस्तर (आशा) ध्रुव

समीक्षक
शेरसिंह गोड़िया

प्रकाशक
आशु प्रकाशन रायपुर

कीमत
एक सौ पचास रुपए

शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है।

अंचल में कांसे के बर्तन का महत्व

छत्तीसगढ़ में प्राचीन काल से ही कांसे के बर्तन का उपयोग हमारी दिनचर्या में किया जाता है। इन बर्तनों को फूल कांस, नैर कांस और पीतल कांस के नाम से जाना जाता है। शहर में इन बर्तनों का चलन नहीं के बराबर है परंतु ग्रामीण अंचलों में आज भी मेहमानों को भोजन फूलकांस की थाली में परोसा जाता है। शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। बनवासी कांसे के जेवर भी पहनते हैं। मंदिरों में पूजा के लिए घंटी, कांसे की थाली, कटोरी और लोटा कांसे के बर्तन के ही होते हैं। यहां बेटियों को विवाह, पहली तीजा, गोदभराई, मुंह जुठराई, काजर अंजनी और हाथा देने के लिए कांसे के बर्तन उपयोग में लाए जाते हैं। गुरूओं-अतिथियों और भांजे-भांजियों आदि के पांव पखारने की प्रथा अब भी छत्तीसगढ़ में प्रचलित है जिसमें कांसे के बर्तन का ही उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है। इसके साथ ही हमारे शरीर में कांसे का प्रभाव से तंत्रिका तंत्र में पड़ने से मांस-पेशियां और नसों को मजबूती मिलती है।

संस्कृति : मेनका वर्मा

फुलझर राज्य में भगवान विष्णु का ठाकुरदेव के रूप में मान्यता

ऐतिहासिक : बालचंद जैन

शरभवंशीय-पांडुवंशीय शासन काल में सकल कोसल में संस्कृत भाषा का विशेष महत्व था। यद्यपि लिपि ब्राम्ही, पाली, कुटिल एवं नागरी हुआ करती थी। संस्कृत के गद्य और पद्य के माध्यमों से ताम्रपत्रों द्वारा राजाज्ञा प्रसारित किए जाते थे। उन दिनों श्रीपुर नरेश के अधिनस्थ फुलझर सिंदुरिका राज्य में भी राजधर्म के अनुसार वैष्णव और शैव मतों का विशेष प्रभाव था। वैष्णव धर्म का मूल आशय भगवान विष्णु से संबंधित है। कोसलपति तीवरदेव परम भागवत होने के कारण इन क्षेत्रों में विष्णु के मंदिर नहीं है किन्तु लोक जीवन में व्यापक प्रभाव है। पूर्वकालीन ब्राम्हनों में संभवतः कौण्डिन्य, कापिल्य,कण्व गोत्रिय ब्राम्हनों का यहां निवास था, वर्तमान में निवासरत ब्राम्हनों एवं वैष्णवों का आगमन गोंड शासन काल के अंतिम चरण में हुआ। उनके उत्तरार्ध में पराक्रमी बालार्जुन शैव मत को मानते थे तथा उनका राज चिन्ह नन्दी था। इस प्रकार इस मांडलिक क्षेत्रों में शैव और वैष्णव मत का पर्याप्त प्रभाव था, जो आज भी विद्यमान है। इन क्षेत्रों में ठाकुर देव की सामान्य प्रस्तर खंड के रूप में भक्ति सहित पूजा आराधना की जाती है जो प्रभावशाली माने जाते हैं जिन्हें ठाकुरदिया कहा जाता है। दिया शब्द देव का अपभ्रंश है। छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में भगवान को ठाकुर से भी संबोधित किया जाता है। ठाकुर देव की श्वेत पूजा की जाती है तथा ग्रामीण देवता में इनका स्थान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

छत्तीसगढ़ी कविता का प्रथम पड़ाव

लोक साहित्य : डा. सत्यभामा अड़िल

छत्तीसगढ़ी काव्य जी परंपरा अतिशय प्राचीन है तथा यही परंपरा आधुनिक युग में स्वयं को प्रमाणित भी करती हैं। इस युग में छत्तीसगढ़ी की क्षमता को पूर्ण रूप से आत्मसात करने वालों तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी में काव्य का सृजन करने वालों में पं.सुंदरलाल शर्मा का स्थान अद्वितीय है। सुंदर लाल शर्मा बंगला, हिंदी, गुजराती और उर्दू के भी अच्छे जानकार थे। उन्होंने हिंदी और छत्तीसगढ़ी में 21 ग्रंथों की रचना की। इसके बाद के कवियों में जगन्नाथ प्रसाद भानु, कपिल नाथ मिश्र और शुक्लाल प्रसाद पांडेय के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जगन्नाथ प्रसाद हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। हिंदी काव्य शास्त्र में उनकी अच्छी पैठ थी। कपिल नाथ मिश्र की 'खुसरा चिरई के बिहाव' नामक कृति भी एक विशिष्ट रचना है , जिसमें सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी कि प्रवेशिका प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। शुकलाल प्रसाद पांडेय हिंदी और छत्तीसगढ़ी में लेखन किए। उनकी 'गीयां' और 'छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत' काफी चर्चित हुए-

हम नई होवन पंडित संडीत तही पढ़े कर आग लुटावा।
ये किताब अऊ गजट सजट ला जीभ लमा के तई हर चाटा।
जनम के हम तो नागर जोतता नई जानन सोला सतरा।
भुरुवा भइसा ता ता ताता ओहि हमर पोथी पतरा।

आंचलिक विवाह में सुहाग गीत की विशेषता

छत्तीसगढ़ अंचल में वर-वधु के विवाह के समय कई रस्मों को विधिवत संपन्न किया जाता है। कई रस्में वर और वधु के लिए अलग-अलग होते हैं। देखा जाए तो कन्या के विवाह में फेरे लेते समय जो गीत गाए जाते हैं उसे कुम्हारिन या बरेठिन गीत के माध्यम से कन्या को सदा सुहागिन रहने की कामना का असीस देते रहते हैं और इस नेंग का इस समय निर्वहन होता रहता है। यह लोकगीत इस मार्मिक अवसर पर जीवंत और मधुर लगने लगता है-

संस्कृति : डॉ. रमाकांत सोनी

कवने राय के पियरी सोहागिन
सोहागिन धियरी सोहाग मांगे हो
आले बांस के डोलना चंदन लागे डड़ियां
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
सोहागिन सोहाग जनम अहवात मांगय होआले...
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
पूछथे बरेठिन के द्वार
सोहागिन धियरी सोहाग मांगय हो
सबके सुहाग बहिनी अइसन तइसन
बरेठिन के सोहाग जनम अहवात मांगय हो

उपरोक्त सोहाग गीत में समरसता एवं अन्य जातियों के प्रति उदार भावना परिलक्षित होती है। यही वजह है कि वधू को कुम्हारिन या बरेठिन यहां ले जाकर उससे अहवात की कामना की जाती थी। गीत में राय शब्द को संबोधन वधू के पिता के लिए सम्मान सूचक है जो बिहाव गीतों में कई जगह प्रयुक्त हुआ है।

गांव की कहानी

विष्णु पांडेय

भाट जाति के निवासी गांवों के नामों में भाट

भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे-करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं।

इतिहास को खंगाले तो समझ आता है कि जहां भाट जाति के लोग रहे होंगे वहां उनके कारण गांव के नाम में भाट जोड़ा गया होगा। इसी परिकल्पना के आधार पर निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि बालोद अंचल के गुरूर क्षेत्र में भाटों की बस्ती रही होगी। पूर्वजों का भी कहना है कि इस अंचल में भाटों का आना जाना लगा रहता था। भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे-करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं। सभी भाट गांव पास पास ही हैं। साल्हेभाट जंगल में बसा है। भाट लोग किसी निर्धारित स्थान पर तंबू लगाकर कुछ दिन जीवन यापन कर लेते थे। फिर दूसरे दिन सबेरा होने पर आबादी में जाकर दानदाताओं का आश्रय दाताओं का नाम लेकर पुकारते और उनका वंशानुक्रम बताते थे। लोगों को सुनकर आश्चर्य होता था। किसी भी गांव में अपना उद्देश्य पूरा होने पर अन्य गांव की ओर चले जाते थे। इनका एक दोहा भी प्रचलित रहा-

भाट टाट झन भेडरी, हर काहू के होय।
चारण, वारण मानसी, जै गढ़पति के होय।

गायकी के दौरान करताल, चुटकी और पैजना वाद्यों का प्रयोग करते थे, चुटकी लकड़ी से बना होता है, जिसमें चट-चट की आवाज निकलती है। पैजना एड़ी के ऊपर बांधते हैं। यह गोल होता है जिसमें छर्रे भरे होते हैं। अन्य वादयों में चिकारा, सारंगी व खंजेरी साथ में रहता है। ऐसा माना जाता है कि भाट लोग मराठों के साथ आए होंगे और गुरूर क्षेत्र में बस गए होंगे। छत्तीसगढ़ में धमतरी, कांकेर, धमधा, नवागांव, अकलतरा और पिथौरा में इन्होंने अपना स्थाई घर बना लिया है।

बॉलीवुड

फ्रेंडशिप लक्ष्मी राय और सोनाली की

सोनाली ए सजनानी और लक्ष्मी राय हमेशा से जबरदस्त दोस्ती साझा करते हैं! हाल ही में नवविवाहित सोनाली केरल में अपनी सबसे अच्छी दोस्त लक्ष्मी से मिलने गईं, जहां वह अपनी आगामी मलयालम फिल्म 'डीएनए' की शूटिंग कर रही है, जिसमें वह पुलिस वाले की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सेट पर और बाहर साथ क्वालिटी टाइम बिताने से लेकर देर रात तक बातचीत करने और अपने पसंदीदा व्यंजनों का लुत्फ उठाने तक, सोनाली और लक्ष्मी दोनों ने बहुत अच्छा समय बिताया! लक्ष्मी कहती है , 'वह (सोनाली) मेरी मलयालम फिल्म 'डीएनए' के सेट पर मुझसे मिलने आई थी, वह केरल भी घूमना चाहती थी क्योंकि मैं यहां शूटिंग कर रही हूं। वो बहुत ही प्यारी हैं कि वह मुझसे मिलने के लिए इतनी दूर तक आई। हमने शूटिंग के समय और शूटिंग के बाद भी साथ क्वालिटी टाइम बिताया।'

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को हुआ मेगा मुनाफा

रणवीर सिंह-आलिया भट्ट स्टारर 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' करण जौहर के निर्देशन में सुर्खियां बटोर रही है। 160 करोड़ रुपये के बजट पर बनी, प्रिंट और प्रचार पर 18 करोड़ रुपये खर्च करके, टोटल कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन (सीओपी) रुपये आंकी गई है 178 करोड़। फिल्म ने लगभग 90% वसूल कर लिया है! अमेजॉन प्राइम वीडियो के डिजिटल राइट्स की बिक्री से 80 करोड़ रुपये, कलर्स के सैटेलाइट राइट्स की बिक्री से 50 करोड़ रुपये और सारेगामा को अपने म्यूजिक राइट्स की बिक्री से 30 करोड़ रुपये के साथ, 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के निर्माता पहले ही 160 करोड़ रुपये कमा चुके है। अपने 178 करोड़ रुपये के सीओपी में से 160 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म को लगभग 45-48 करोड़ रुपये का कारोबार करना होगा। फिल्म सप्ताहांत में ही ब्रेक-ईवन पॉइंट तक पहुंच जायेगी।

कई भावनाओं से गुज़री सोनम कपूर

बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर प्रेगनेंसी के बाद फिल्मों में वापस लौटने के लिए तैयार है, वह हर साल दो प्रोजेक्ट करना चाहती है! सोनम, नीरजा (जिसके लिए उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार जीता), प्रेम रतन धन पायो, रांझणा जैसी फिल्मों का हिस्सा रही है, अपनी वापसी के लिए व्यावसायिक, पारिवारिक मनोरंजन करने वाली फिल्में को चुनना चाहती है। सोनम ने बताया, 'मुझे हमेशा उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना पसंद रहा है, जिन्होंने मनोरंजन किया हो। जैसे ही मैं प्रेगनेंसी के बाद सिनेमा में लौटूंगी, मैं बस यही करने का प्रयास करूंगी क्योंकि मुझे यह देखकर खुशी होती है कि लोग सिनेमा और उस दुनिया का आनंद लेने के लिए अपनी वर्तमान वास्तविकता को भूल जाते है जो यह हमारे लिए निर्माण कर सकती है।' अभिनेत्री बताती है, 'मैं यहां से हर साल दो प्रोजेक्ट करना चाहती हूं, मुझे ऐसी स्क्रिप्ट की तलाश है जो बहुत ही मनोरंजक और मन को मोहने वाली हों। मैं उन विषयों की ओर आकर्षित हो रही हूं, जो व्यापक दर्शक सेगमेंट को आकर्षित करते हैं ताकि हम परिवार, समुदाय के रूप में फिल्मों का आनंद ले पाए।' सोनम कहती है कि वह ऐसी फिल्मों से मनोरंजन करने के लिए अभिनेत्री बनी, जिन्हें सभी सेगमेंट के दर्शक देख सकते है और आनंद ले सकते है।

सोनम ने बताया, 'मैं एक्टर क्यों बनना चाहती थी। जब से मैं छोटी बच्ची थी, मुझे ऐसी फिल्में पसंद थीं, जिन्हें मैं पूरे परिवार के साथ देख सकती थी। यह ऐसा अनुभव था, जिसका मुझे इंतजार था। परिवार के साथ ऐसी फिल्में देखते हुए, मैं कई तरह की भावनाओं से गुजरी हूँ।

उत्कर्ष शर्मा जीत रहे हैं दिल

गीत 'उड़ जा काले कावां' और खैरियत लॉन्च करने के बाद, फिल्म 'गदर 2' का पोस्टर प्रदर्शित किया है, जिसमें सनी देओल और उत्कर्ष शर्मा है। सनी देओल के डायलॉग 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के अलावा, उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा के साथ ऑन-स्क्रीन मनमोहक केमिस्ट्री दिखाई दे रही

है, जो मजबूत दाढ़ी वाले लुक में नजर आ रहे हैं, वे गोलियों और विस्फोट के बीच एक-दूसरे का हाथ पकड़कर भाग रहे है! 2001 में सनी और अमीषा ने 'गदर: एक प्रेम कथा' सिनेमा में सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से दी थी। फिल्म कल्ट क्लासिक बन गई, बतौर बाल कलाकार उत्कर्ष ने फिल्म में सनी और अमीषा के बेटे का किरदार निभाया था और 22 साल बाद फिल्म के सीक्वल 'गदर 2' के साथ वापसी कर रहे हैं, इस बार वे अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शहर का 'नया' कमांडो-प्रेम

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित और निर्मित 'कमांडो' में नवोदित अभिनेता प्रेम लीड रोल निभा रहे है। डिज्नी + हॉटस्टार की इस ऐक्शन-थ्रिलर सीरीज में बेहद जुनूनी और प्रतिभाशाली अदा शर्मा, वैभव तत्ववावाड़ी, श्रेया सिंह चौधरी, अमित तिंग्मांशु धूलिया, सियाल, मुकेश छाबड़ा और इश्तियाक खान भी प्रमुख भूमिकायें निभा रहे है। विपुल ने कहा- 'कमांडो दूरदर्शी नायक और बहादुरी देशभक्ति एवं भाईचारे के उसके सफर की कहानी है। यह एक्शन से भरपूर ड्रामा है। प्रेम को अल्टीमेट कमांडो की भूमिका में शामिल करना हमारे लिए बेमिसाल सफर था। वह बेहद प्रतिभाशाली है।'

साहिल सलाथिया के पांच किरदार

बॉलीवुड में अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके साहिल सलाथिया को जम्मू से मुंबई आए काफी समय हो गया है। एवरेस्ट में अपने डेब्यू से लेकर नवीनतम शो अधूरा तक, साहिल ने खुद को साबित किया है। उनके इन पांच प्रोजेक्ट्स है। साहिल एवेरेस्ट में युवा, आकर्षक लड़के के रूप में ऐसे लड़के की भूमिका निभाई जिसके साथ उनका कौशल बढ़ता जा रहा है। बॉय-नेक्स्ट-डोर के रूप में निखिल आडवाणी की पीओडब्ल्यू: बंधी युद्ध के साथ यू-टर्न ले लिया। फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर के साथ पानीपत से जुड़ गए।

रोमांचित जयदीप अहलावत

विभिन्न फिल्मों और वेब सीरीज में अपने एक्स्ट्राऑर्डिनरी परफॉरमेंस के लिए जाने जाने वाले टैलेंटेड और वर्सटाइल अभिनेता जयदीप अहलावत ने कार्गो पैट की जोड़ी पाने के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अपने किरदारों के लिए प्रशंसा बटोरने वाले अभिनेता के प्रोफेशनल, डाउन टू अर्थ पर्सनालिटी के लिए काफी माना जाता है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने परफेक्ट कार्गो पैट मिलने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। जो न केवल आराम से फिट बैठता है बल्कि उनकी स्टाइल को भी पूरक करता है। जयदीप की स्टाइल को ईजी और वर्सटाइल बताया जा सकता है। चाहे ऑन-स्क्रीन हो या ऑफ-स्क्रीन, उनमें आत्मविश्वास और आकर्षण की भावना झलकती है।

डेब्यू करेंगी सिमरत कौर

फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ मुख्यधारा के व्यावसायिक सिनेमा को फिर से परिभाषित किया है। 'गदर 2' के लिए सिमरत कौर रंधावा को लॉन्च करने के लिए तैयार है। सिमरत कहती है, 'मुझे नहीं पता था कि ऑडिशन किस प्रोजेक्ट के लिए था। जब मैंने देखा कि जो कार पिकअप के लिए आई थी, उस पर 'गदर 2' लिखा हुआ था। मुझे नही पता था कि यह मुख्य भूमिका के लिए था। मैंने लगभग 4 ऑडिशन और 2-3 लुक टेस्ट दिए। बाहरी व्यक्ति होने और बॉलीवुड में कोई कनेक्शन नही होने के कारण सनी देओल सर के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का सपना देखा।

टीवी

एक्स-बॉयफ्रेंड के रोल में तुषार

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'बरसातें - मौसम प्यार का' में कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी है। इसमें तुषार कावले मयंक के रोल में शामिल हो गए है। तुषार बताते है, 'जब मैंने सबसे रोल के बारे में सुना और जिस तरह मयंक की कहानी सामने आती है, तो मैं ऐसे ग्रे शेड वाले किरदार को निभाने का मौका पाकर बहुत आभारी था। मयंक अपनी नाकामी या रिजेक्शन को स्वीकार नही कर पाता है। वो जिस तरह के जज्बातों से गुजरता है, उसे निभाना चैलेंज है, जो मैंने स्वीकार किया।'

शुभांगी का डबल रोल

एण्डटीवी का क्लासिक कॉमेडी शो 'भाबीजी घर पर है' में अंगूरी भाबी (शुभांगी अत्रे) डबल रोल निभायेंगी। अंगूरी क्लब डांसर 'चमेली जान' का किरदार निभायेंगी। शुभांगी ने कहा, 'मुझे चमेली जान का नया किरदार निभाना सचमुच अच्छा लगा। मेरी किस्मत अच्छी है कि मै शो का हिस्सा हूँ, जो हर सप्ताह नई-नई कहानियां लेकर आता है और मुझे अलग-अलग चीजें करने, अपनी दिखावट के साथ प्रयोग करने के मौके देता है। चमेली जान और अंगूरी के किरदारों में ढलना बेहतरीन अनुभव था, वैसे मुझे दो अलग-अलग मूड और कपड़ों को बदलने की चुनौती भी मिली। इस प्रक्रिया में खूब समय लगा, लेकिन मजा भी आया और हर किरदार के बदलाव, मेकअप, कपड़ों और ज्वैलरी को व्यवस्थित रखने में घंटों लग गये।

अभिषेक करते हैं वर्कआउट

जीटीवी के प्राइमटाइम ड्रामा कुमकुम भाग्य ने रणबीर (कृष्णा कौल) और प्राची (मुग्धा चाफेकर) है। अक्षय (अभिषेक मलिक) फिट और हेल्दी रहने में यकीन रखते है, चाहे वो कही भी रहें। अभिषेक बताते है, 'मैं फिटनेस प्रेमी हूं और फिट रहने के लिए हमेशा वर्कआउट करने में यकीन रखता हूं लेकिन जिम जाने का वक्त नहीं मिलता। इसलिए मैंने सेट पर वर्कआउट करने का फैसला किया। मै मानता हूं कि यदि आप खास तरह से दिखना चाहते है तो विशेष डाइट फॉलो करना होगा और जब भी वक्त मिले, वर्कआउट करना होगा।

नवाजुद्दीन की कास्टिंग निर्देशक

आमतौर पर फिल्म बिजनेस में प्रोडक्शन और कास्टिंग दो बिल्कुल ही अलग प्रक्रियाएं है,

जो अलग-अलग लोगों द्वारा की जाती है। कास्टिंग निर्देशक किसी भी फिल्म के निर्देशक को ऐसे एक्टर्स प्रोवाइड करते है, जो निर्देशक के दृष्टिकोण से सटीक हो। आने वाली नवाजुद्दीन सिद्दीकी स्टारर 'हड्डी' में निर्माता राधिका नंदा ने कास्टिंग की जिम्मेदारी अपने ऊपर ली। राधिका दूरदर्शी है और 'हड्डी' उनकी पहली प्रोडक्शन फिल्म है। कास्टिंग की जिम्मेदारी लेना उनके लिए सचेत विकल्प था। वह बताती है, 'हां, फिल्म के लिए कास्ट करना सचेत निर्णय था क्योंकि मुझे पता था कि मैं किसे कास्ट करना चाहती हूं। मेरे पास चरित्र रेखाचित्रों के अनुसार इच्छा सूची थी, मुझे उन लोगों के साथ ही काम करना था।' 'हड्डी' का उद्देश्य ट्रांस समुदाय को योग्य प्रतिनिधित्व देना है। नवाजुद्दीन फिल्म के लीड एक्टर है, वे फिल्म में ट्रांसजेंडर की भूमिका में है। अनुराग कश्यप, इला अरुण, विपिन शर्मा, जीशान अयूब खान, श्रीधर दुबे, सहर्ष कुमार शुक्ला और सौरभ सचदेवा है। राधिका कहते है, 'इला जी और जीशान ने मुझे शुरू में हां नही कहा लेकिन फिल्म और विषय के बारे में सोचने के बाद, वे मेरे पास वापस आए और कहा, हां चलो इसे करते है।'

दबंग दुल्हनिया गीतांजलि मिश्रा

एण्डटीवी का घरेलू कॉमेडी 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार गीतांजलि मिश्रा निभाने वाली है। गीतांजलि मिश्रा ने कहा, 'मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे किसी ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिलेगा, जिसे मैं टेलीविजन पर देखना पसंद करती हूं। मैं बहुत ज्यादा खुश हूं और मुझे ज्यादा खुशी इस बात की हो रही है कि मुझे योगेश त्रिपाठी (दरोगा हप्पू सिंह), हिमानी शिवपुरी (कटोरी अम्मा) के साथ स्क्रीन शेयर करने का अवसर मिला है।'

सबका चहेता करणवीर का मेकअप रूम

जीटीवी के शो 'रब से है दुआ' में करणवीर शर्मा खूब मनोरंजन कर रहा है करणवीर अपने को-स्टार्स का मन बहलाते रहते है और उन्हें खुश रखते है। शेयरिंग एंड केयरिंग की अहमियत पहचानते हुए करणवीर ने अपने मेकअप रूम को खास तरह से डिजाइन किया है। इस रूम की सबसे बड़ी खूबियों है मिनिएचर किचन या कहें उनकी प्राइवेट पैंट्री है! करणवीर बताते है, 'मैं मेहमाननवाजी में यकीन रखता हूं। मैं पंजाबी हूं और मेरा मानना है कि अच्छे खाने का मतलब है अच्छा माहौल और अच्छा मूड।

अपने घर बुरहानपुर पहुंची आयुषी

स्टार भारत के शो 'अजूनी' में आयुषी खुराना है। आयुषी को जैसे ही शूटिंग से 4 दिन की छुट्टियां मिली तो उन्होंने पूरे डेढ़ साल बाद होमटाउन बुरहानपुर जाकर अपने माता-पिता और बहन को सरप्राइज करने का फैसला किया। आयुषी ने बताया, 'मेरा होमटाउन महाराष्ट्र और एमपी के बीच में पड़ता है, मेरे घर से नजदीक कोई एयरपोर्ट नही है। इंदौर एयरपोर्ट भी तकरीबन 4 घंटे की दूरी पर है फिर हम जिस रास्ते से लौटते हैं वो मानसून में सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं है। फिर मैंने सरप्राइज का प्लैन बनाया। जैसे ही माँ ने मुझे देखा तो वे शॉक्ड रह गई और पहले मुझे छूकर देखा फिर गले लगा लिया और पापा जी नहाने गए थे, मैंने उन्हें सरप्राइज दिया।

सुम्बुल ने सबको किया हैरान

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की आईएएस ऑफिसर की उम्मीदों भरी कहानी है। 'काव्या - एक जज्बा, एक जुनून' दमदार महिला किरदार की जिंदगी के इर्द-गिर्द है, जिसे सुम्बुल तौकीर खान ने निभाया है। सुम्बुल कहती हैं, 'मुझे ये कहानी बड़ी प्रगतिशील और अपनी-सी लगी। आम आदमी की मदद करने की इच्छा ने ही मुझे आकर्षित किया। मध्यमवर्गीय परिवार से होने के बावजूद, उसकी बड़ी महत्वाकांक्षाएं हैं और अपने सपने को हासिल करने के लिए छोटे-बड़े इम्तेहानों का सामना करने की उसकी हिम्मत के चलते ही मैंने इस रोल के लिए हां कहा।'

अर्जुन बिजलानी की दोस्ती

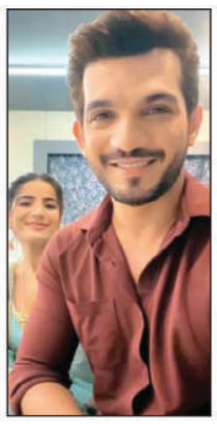

जीटीवी में शिव-शक्ति के संबंधों का आधुनिक नजरिया है। शिव के रोल में अर्जुन बिजलानी और शक्ति के रोल में निक्की शर्मा है। अर्जुन और निक्की बहुत अच्छे दोस्त बन गए है। उनकी यह दोस्ती अब स्क्रीन से आगे बढ़ चुकी है । अर्जुन बताते है, 'निक्की और मेरी दोस्ती आगे बढ़ चुकी है। प्रैंक करना हमारे रोज के काम में मजे और खुशी को शामिल करने का जरिया बन गया है। निक्की बहुत बढ़िया है। वो जिंदगी के मजेदार पहलुओं को पूरे दिल से अपना लेती है।

करिश्मा ने सैफ के साथ की थी बाइक राइड

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर करिश्मा कपूर और मर्जी पेस्टनजी, गेस्ट जज के रूप में एपिसोड का हिस्सा होंगे। म्यूजिक सेंसेशन हांडी संधू अपने लेटेस्ट चार्टबस्टर 'साइको' को प्रमोट करने के लिए अपनी खास मौजूदगी दर्ज कराएंगे। विपुल ने 'तुझको मिर्ची लगी तो' पर परफॉर्म किया। करिश्मा कपूर ने कहा, 'यह वाकई मजेदार कहानी है। सैफू और मैंने बहुत पहले साथ में विज्ञापन किया था। सैफू ने बताया कि वो बाइक चलाना नही जानते थे और उन्होंने इसे सीखने का फैसला किया था। मैं हैरान थी लेकिन उन्होंने प्रैक्टिस की। हमने साथ-साथ सीखा और फिर मेरा सारा डर दूर हो गया। अब वो एक्सपर्ट राइडर है ।'

पहला ब्रेक आदित्य का

जीटीवी का सिंगिंग रियलिटी शो सारेगामापा के आने वाले सीजन के होस्ट के रूप में आदित्य नारायण शामिल हो गए है, जहां उनके साथ होंगे जजेस - हिमेश रेशमिया, नीति मोहन और अनु मलिक। आदित्य कहते है, 'मैं फिर इस शो का हिस्सा बनकर वाकई शुक्रगुजार हूं। यह ऐसा मंच है, जहां बहुत-से कंटेस्टेंट्स ने हमारे देश का सिंगिंग सेंसेशन बनने का सपना पूरा किया है और उनकी तरह मैंने भी अपने करियर में इस शो से बहुत कुछ हासिल किया है। 2007 में मुझे पहला ऑफर मिला था और इसने मुझे इतना प्यार दिया कि मुझे नहीं लगता कि मैं एहसासों को शब्दों में बयां कर पाऊंगा।

पूरे किए एक साल

स्टार भारत के 'ना उम्र की सीमा हो' और 'अजूनी' ने न सिर्फ अपने 300 एपिसोड पूरे किए हैं बल्कि एक साल भी पूरे किए हैं, जो उपलब्धि है। 'अजूनी' में शोएब इब्राहिम, राजवीर और आयुषी खुराना है। अजूनी और राजवीर बग्गा परिवार पर आने वाली मुसीबतों का सामना कर रहे हैं। वही 'ना उम्र की सीमा हो' में इकबाल खान और रचना मिस्त्री हैं। आयुषी कहती हैं, 'हमने एक साल पूरा कर लिया। मैं धन्यवाद कहना चाहूंगी, मैं हर दिन इस प्यार को बढ़ता हुआ देख सकती हूँ!

अंकित ने की इवेंट मैनेजमेंट की बात

अंकित बठला दो विपरीत भूमिकाओं को संतुलित कर रहे है। शेमारू उमंग के शो 'कुंडली मिलन' में अंकित ने खास बातें बताई। वास्तविक जीवन में अंकित सच्चे मल्टी-टास्कर व्यक्ति है, जो अपने काम को सहजता से करने के लिए जाने जाते है। वह न केवल अनुभवी अभिनेता है बल्कि संपन्न व्यावसायिक उद्योग भी है, जहां वे अपनी खुद की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी चलाते है। उन्होंने बताया, ' मेरा जुनून है, जिसके लिए मैंने दिल्ली में नौकरी छोड़ दी और मनोरंजन इंडस्ट्री में कदम रखा, दूसरी मेरी कंपनी मेरा बच्चा, मेरी कंपनी है जिसे मैं फलते-फूलते देख रहा हूं।

सुभाष घई की पारखी नजर

साई गोडबोले व्हिस्लिंग वुड्स एक्टिंग स्टूडियो की छात्रा रह चुकी है और सुभाष घई की आगामी मराठी फिल्म 'अमायरा' का भी हिस्सा है। माधुरी दीक्षित, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, साई ताम्हणकर, महिमा चौधरी जैसे टैलेंट की खोज के बाद, सुभाष घई की पारखी नजर ने साई गोडबोले की खोज की!

हंसी और जीवन के सबक का जश्न

तारक मेहता का उल्टा चश्मा 15 शानदार साल पूरे करने की उपलब्धि हासिल की। असित कुमार मोदी द्वारा निर्मित, तारक मेहता का उल्टा चश्मा दिवंगत गुजराती स्तंभकार/लेखक तारक मेहता की दुनिया के उंधा चश्मा पर आधारित है। असित कहते हैं, 'जब हमने 15 साल पहले यह प्रयत्न शुरू किया था तो हमने कभी सोचा भी नहीं था कि हमें इतना प्यार और सराहना मिलेगी। ऐसा लगता है जैसे हमने कल ही यह शानदार सफर शुरू किया था। यह मेरे लिए जीवन जीने का तरीका है।'

प्रापर्टी खरीदते वक्त बायर एग्रीमेंट की न करें अनदेखी

प्रदीप मिश्रा
एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

एक पुरानी लोकोक्ति है, 'हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और'। यह कहावत कहीं न कहीं देश के विभिन्न हिस्सों में आवासीय और कामर्शियल परियोजनाओं पर काम कर रहे बिल्डरों और डेवलपर्स पर भी लागू होती है। आपके जेहन में भी जरूर सवाल उठ रहा होगा कि कैसे? दरअसल जब भी कोई ग्राहक बिल्डर के पास कोई संपत्ति या मकान की बुकिंग करवाने जाता है तो अक्सर बिल्डरों के प्रतिनिधियों की तरफ से अनेक वायदे कर लिए जाते हैं। मसलन की अमुक प्रोजेक्ट इतने दिन में बनकर तैयार हो जाएगा, किचेन और कमरों में फलानी तरह की स्पेसिफिकेशन होंगी, पार्किंग की समस्या नही होगी, पार्क, ओपन स्पेस होगा, प्रोजेक्ट में ओपन स्पेस की कमी नही महसूस होगी वगैरह। वहीं जब संपत्ति पर पजेशन यानी कब्जा लेने की बारी आती है तो ग्राहकों को वह सब नहीं मिल पाता जो बुकिंग के समय उन्हें बताया गया होता है और तब ग्राहक खुद को ठगा हुआ सा महसूस करता है। यहां सवाल यह है कि क्या ऐसा कोई उपाय है कि जो वायदे बिल्डर ने किए हों उसे वह पूरा भी करें और यदि वे अपने वादे से मुकरते हैं तो आपके पास दूसरे विकल्प भी हों।

बिल्डर-बायर एग्रीमेंट जरूर बनवाएं

अगर ऐसी परिस्थिति सामने आती है कि बिल्डर मकान देने में देरी कर रहा है, जितना कवर्ड एरिया उसने देने को कहा था उतना एरिया नहीं दे रहा है, फ्लैट के लिए अतिरिक्त कीमत मांग रहा है और समय पर पजेशन नहीं दे रहा है तो आप जरा भी निराश न हों क्योंकि इस तरह की समस्याओं से हम 'बिल्डर-बायर एग्रीमेंट' के जरिए बच सकते हैं। बिल्डर-बायर एग्रीमेंट वह दस्तावेज होता है जिसमें आपके द्वारा खरीदी जाने वाली संपत्ति के साथ उस प्रोजेक्ट का भी विवरण होता है। ऐसे में आप जब भी किसी बिल्डर से प्रापर्टी खरीदें तो उस एग्रीमेंट में उन सभी बातों को जरूर दर्ज करवाएं जिनका वादा बिल्डर द्वारा किया गया था। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पजेशन के समय बिल्डर-बायर एग्रीमेंट में सबसे पहले यह देखें कि संपत्ति की पजेशन मिलने का जो समय बिल्डर की तरफ से मौखिक रूप से बताया जा रहा है क्या वही समय इसमें भी लिखा गया है। आपने गौर किया होगा कि बहुमंजिला इमारतों वाले बिल्डर के रिहायशी प्रोजेक्ट में कई टावरों का निर्माण किया जाता है। ऐसे में जिन एक या दो टावरों की सबसे पहले पजेशन दी जानी होती है बिल्डर की तरफ से मौखिक तौर पर पूरे प्रोजेक्ट की पजेशन का वही समय बता दिया जाता है।

ओपन एरिया और कामन स्पेस

अक्सर बिल्डर की तरफ से बताया जाता कि अमुक प्रोजेक्ट में बसने वालों को 70 या 80 फीसद तक का ओपन स्पेस मिलेगा। इतने हिस्से में पार्क व स्वीमिंग पूल होगा, अमुक क्षेत्रफल में छोटे बच्चों के लिए अलग से खेलने की व्यवस्था होगी जबकि पजेशन के वक्त ग्राहक पाते है कि बिना कोई जानकारी दिये ही बिल्डर की तरफ से प्रोजेक्ट के मास्टर प्लान में बदलाव कर दिया गया होता है। कई बार होता है कि

बुकिंग के समय दिखाए गए खाली स्पेस में बिल्डर की तरफ से दुकानें या कन्वीनियंट शॉपिंग एरिया विकसित कर दिया जाता है। बिल्डर उसे प्रोजेक्ट में रहने वालों की सुविधा बताता है लेकिन हकीकत में इसका नुकसान ग्राहकों को होता है। उन दुकानों को बेचकर बिल्डर को अतिरिक्त मुनाफा होता जबकि ग्राहकों का ओपन स्पेस मारा जाता है। ऐसे में एग्रीमेंट में आप बिल्डर को मास्टर प्लान की प्रति जोड़ने और हर चीज के लिए चिह्नित जगह लिखने के लिए भी जरूर कहें।

कारपेट एरिया

जिस संपत्ति में आपने मकान या दुकान खरीदने की योजना बनाई है उसके बारे में इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि मकान या फ्लैट के लिए बिल्डर द्वारा मौखिक रूप से बताए गए कारपेट एरिया, सुपर कारपेट एरिया का जिक्र बिल्डर-बायर एग्रीमेंट में जरूर शामिल कराएं। इससे आपको आपके निवेश का पूरा लाभ मिलेगा। सुपर एरिया संपत्ति का वह क्षेत्रफल होता है जिसमें संपत्ति का निर्माण किया जाता है। साथ ही कारपेट एरिया जो आपको इस्तेमाल के लिए मिलता है। इसे इस तरह भी समझ सकते है कि जैसे बिल्डर आपको कोई संपत्ति 1800 वर्ग फुट की बता रहा है तो उसने उसका निर्माण इस क्षेत्रफल में किया होगा। इसी क्षेत्रफल में बालकनी, सीढ़ियां व दीवारें आदि भी शामिल होंगी, अब सीढ़ियों व इसी तरह के अन्य निर्माण की वजह से घिरे स्पेस को हटाकर इस्तेमाल के लिए जो शेष जगह बचती है उसे कारपेट एरिया कहा जाता है। इस तरह 1800 वर्ग फुट के सुपर एरिया वाले मकान में आपको करीब 1650 वर्ग फुट तक का कारपेट एरिया मिलता है। हालांकि बिल्डर सुपर एरिया पर ही संपत्ति की बिक्री करते है लेकिन बिल्डर-बायर एग्रीमेंट में इन दोनों ही क्षेत्रफल को स्पष्ट रूप से लिखवाना बेहतर रहता है जिससे आपको उतना स्पेस मिले जिसकी आपने कीमत अदा की है।

फिनिशिंग और फिक्सचर

किसी भी संपत्ति की खूबसूरती और कीमत को बढ़ाने में उसकी फिनिशिंग और फिक्सचर्स का विशेष योगदान होता है। यही वजह है कि बिल्डर ग्राहकों को लुभाने के लिए आकर्षक सैपल फ्लैट का निर्माण करते है जिसमें शानदार टाइलें, वुडन वर्क और मार्बल के अलावा डिजाइनर फ्लोरिंग, पंखे, नल वगैरह लगाते है। अक्सर ऐसा होता है कि बिल्डरों की ओर से सैम्पल फ्लैट में जिस तरह की फिनिशिंग दिखाई जाती है उसकी डिलीवरी नही होती। ऐसे में बिल्डर बायर-एग्रीमेंट में आप बिल्डर को लिखने के लिए कहें कि किचन में वह कौन सी चीजें लगाकर देगा साथ ही वह किस कंपनी की होंगी। वहीं, बाथरूम व कमरों में कौन सी टाइल्स होंगी, दीवारों पर कौन सा पेंट होगा, कितने हिस्से में वुड वर्क करवाया जाएगा वगैरह। इसके साथ ही कुछ बिल्डर्स बुकिंग के वक्त मुफ्त उपहारों की घोषणा भी करते है जिसे फ्लैट पजेशन के वक्त दिया जाना होता है। बुकिंग से लेकर पजेशन के बीच लंबा वक्त होता है ऐसे में कहीं आप या फिर बिल्डर अपने वायदे न भूले इसलिए इन्हें भी एग्रीमेंट में शामिल करवा लें।

पेमेंट प्लान

मौजूदा समय में निर्माणाधीन संपत्तियों के लिए बैंकों द्वारा कंस्ट्रक्शन लिंक्ड प्लान के तहत लोन दिया जाता है। इसका अर्थ यह है कि जैसे-जैसे प्रोजेक्ट का निर्माण बढ़ता है उसी अनुपात में बैंकों की तरफ से लोन की राशि आवंटित की जाती है। कई बार बैंकों की तरफ से पेमेंट रिलीज करने में देर हो जाती है जिससे बिल्डर, ग्राहक पर लेट पेमेंट पेनाल्टी लगा देता है। इस बारे में भी आप बिल्डर से बुकिंग के समय बात करें और एग्रीमेंट में शामिल करवा लें कि एक महीने तक का विलंब होने पर आपको कोई अतिरिक्त रकम नहीं चुकानी होगी। इसके अलावा बिल्डर की तरफ से यदि संपत्ति की पजेशन तय समय पर नहीं की जाती तो उस स्थिति में पेनाल्टी क्लॉज क्या होंगे इसे भी बिल्डर-बायर एग्रीमेंट में शामिल कराना न भूलें। निश्चय ही इन बातों को जेहन में रखते हुए आप कोई संपत्ति खरीदते हैं तो बिल्डर की तरफ से आप वह सब कुछ हासिल करने में सफल हो सकेंगे जिनकी चर्चा बुकिंग के समय उसने मौखिक रूप से की होगी।

---

incometaxindia.gov.in/Pages/tax-services/file-income-tax-return.aspx

Follow us on @IncomeTaxIndia | @IncomeTaxIndiaOfficial | @IncomeTaxIndia.Official | Income Tax India | to stay updated

Income Tax Department
Government of India

आयकर रिटर्न दाखिल करने के बाद उसका वैरिफिकेशन करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसको करने के बाद भी आपके द्वारा रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को पूरा माना जाएगा। अगर आप अपने रिटर्न का वैरिफिकेशन नहीं करते हैं तो आपका रिटर्न दाखिल नहीं माना जाएगा। यूं तो रिटर्न को वैरिफाई करने के कई तरीके हैं लेकिन ई-वैरिफिकेशन का तरीका सबसे अच्छा तारीका माना जाता है

Home About Us Taxpayers' Charter Forms/Downloads Tax e-Services Publicity Campaign Contact us Feedback

कमाल अहमद रूमी
आर्थिक पत्रकार

कैसे करें आईटीआर का ई-वैरिफिकेशन

आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि अब काफी नजदीक है। अगर आपने अभी तक अपना आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है तो इसे तुरंत दाखिल करें। अंतिम समय में आनलाइन रिटर्न दाखिल करने वालों की भीड़ की वजह से अगर सर्वर में कोई तकनीकी खराबी आ गई तो आपका रिटर्न समय पर दाखिल नहीं हो सकेगा। अगर आप अपना आयकर रिटर्न खुद दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं तो आपको अपने रिटर्न को वैरिफाई अर्थात सत्यापित भी करना होगा। याद रहे कि रिटर्न को सत्यापित करने की अवधि रिटर्न दाखिल करने की तारीख से 30 दिन के भीतर की होती है।

कैसे करते हैं वैरिफिकेशन

आयकर रिटर्न दाखिल करने के बाद इसका सत्यापन अर्थात वैरिफिकेशन भी जरूरी है। अगर आपने अपने आयकर रिटर्न को सत्यापित नहीं किया तो रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी। इसलिए आप आईटीआर भरने के बाद उसका सत्यापन (वैरिफिकेशन) अवश्य करें। सत्यापन का सबसे अच्छा तरीका ई-वैरिफिकेशन है। रिटर्न दाखिल करने के बाद इसके ई-वैरिफिकेशन के लिए ओटीपी जेनरेट करने के कई तरीके हैं आप इनमें से किसी एक तरीके के जरिए अपना ओटीपी जेनरेट करके ई फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न ई-वैरिफाई कर सकते हैं।

ई वैरिफिकेशन सबसे बेहतर

रिटर्न दाखिल करने के बाद आनलाइन सत्यापन अर्थात ई-वैरिफिकेशन सबसे अच्छा विकल्प माना जाता है। इनकम टैक्स विभाग के ई फाइलिंग पोर्टल पर रिटर्न दाखिल करने के बाद आप वैरिफिकेशन पृष्ठ पर जाकर 'अभी ई वैरिफिकेशन' अथवा 'बाद में ई वैरिफिकेशन' विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकते हैं। अगर आप 'अभी ई वैरिफिकेशन' का विकल्प चुनते हैं तो उसमें आपको ओटीपी जेनरेट करने के कई तरीके दिखेंगे। आइए देखते हैं वे कौन-कौन से तरीके हैं जिनके जरिए ओटीपी जेनरेट करके रिटर्न को वैरिफाई कराया जा सकता है।

एटीएम के जरिए वैरिफिकेशन

आईटीआर के ई-वैरिफिकेशन विकल्प के तहत एक तरीका है एटीएम के जरिए वैरिफिकेशन का। इसमें एटीएम के जरिए इलेक्ट्रानिक वैरिफिकेशन कोड (ईवीसी) जेनरेट कर सकते हैं और बाद में ई फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना आईटीआर वैरिफाई कर सकते हैं। जेनरेट किया गया कोड 72 घंटे तक वैध रहता है। इसके लिए आपका आधार और बैंक अकाउंट आपस में जुड़ा होना जरूरी है। एटीएम पर कार्ड लगाकर अपना पिन डालते ही आपको ई फाइलिंग विकल्प दिखेगा। इस विकल्प पर क्लिक करने के बाद आप अपना ई वैरिफिकेशन कोड (ईवीसी) जेनरेट कर सकते हैं।

नेट बैंकिंग के जरिए सत्यापन

अगर आप नेटबैंकिंग का इस्तेमाल करते हैं तो इसके जरिए भी आप ईवीसी जेनरेट करके रिटर्न को वैरिफाई कर सकते हैं। इसके लिए आप अपने नेटबैंकिंग अकाउंट को लागइन करें और टैक्स के बटन को क्लिक करें। इसमें आपको ई वैरिफाई को विकल्प दिखेगा इस विकल्प के जरिए आप अपना ईवीसी जेनरेट कर सकते हैं और ई फाइलिंग पोर्टल पर जाकर इस ईवीसी के जरिए अपना रिटर्न वैरिफाई कर सकते हैं।

आधार के जरिए बेहद आसान

आयकर रिटर्न का वैरिफिकेशन आधार के जरिए भी किया जा सकता है लेकिन इसके लिए आपको कहीं जाना नहीं है। ई फाइलिंग पोर्टल पर रिटर्न दाखिल करने के बाद आप इसी पोर्टल पर ई वैरिफाई विकल्प पर क्लिक करें, इसमें कुछ विकल्प सामने आएंगे इन विकल्पों में से आप वैरिफाई बाई आधार ओटीपी विकल्प को चुनें। इस विकल्प को चुनने के बाद आपके आधार से लिंक मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा। ई फाइलिंग पोर्टल पर ई वैरिफिकेशन में इस ओटीपी को भरकर सबमिट करते ही आपका रिटर्न वैरिफाई हो जाएगा।

बैंक अकाउंट के जरिए

अपने बैंक खाते के जरिए रिटर्न को सत्यापित करने के लिए आपके खाते से आपका मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड होना चाहिए। साथ ही बैंक अकाउंट पैन से भी जुड़ा होना जाहिए। आप ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर ई-वैरिफाई लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद बैक अकाउंट से रिटर्न वैरिफाई का विकल्प चुनें और अपने खाते से जुड़ी डिटेल भरें। डिटेल भरने के बाद आप जैसे ही सबमिट का बटन क्लिक करेंगे वैसे ही आपके बैंक में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आ जाएगा। ई फाइलिंग पोर्टल में इस ओटीपी को भरते ही रिटर्न वैरिफाई हो जाएगा।

डीमैट अकाउंट के जरिए

अपने डीमैट अकाउंट के जरिए भी रिटर्न को वैरिफाई कर सकते है। आपका डीमैट अकाउंट अगर एनएसडीएल में है तो एनएसडीएल के पोर्टल पर आपको अपने डीमैट अकाउंट को सत्यापित करना होगा। इसे सत्यापित करने के लिए एनएसडीएल पोर्टल पर अपना मोबाइल नंबर व अन्य मांगी गई डिटेल भरकर डीमैट अकाउंट को सत्यापित किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में करीब दो घंटे लग जाते हैं अतः समय का ध्यान अवश्य रखें।

बीमाधारकों की 5 प्रमुख शिकायतें और उनका समाधान

ज्यादातर बीमा कंपनियों ने शिकायतों के समाधान के लिए अलग समिति बना रखी है। इन समितियों का कामकाज काफी बेहतर होता है लेकिन फिर भी बीमा संबंधी किसी भी समस्या से जुड़ी शिकायत करते वक्त बीमा कंपनी को दिये जाने वाले आवेदन और उससे जुड़े कागजात जमा कराते समय उसकी रिसीविंग जरूर लेनी चाहिए जिसमें हस्ताक्षर करने वाले कर्मचारी का नाम, एम्प्लाई कोड, पदनाम और तिथि स्पष्ट होनी चाहिए

अपूर्व कुमार दत्त
बीमा विशेषज्ञ

बीमा व्यवसाय में प्रचार-प्रसार होने से व्यवसाय का व्यापक विस्तार हो रहा है। बीमा क्लेम के 90 से 98 प्रतिशत तक मामलों का निस्तारण होने के बावजूद ग्राहकों की कुछ न कुछ समस्याएं बनी रहती ही हैं। चाहे ग्राहक सेवा बेहतर न होने की शिकायत हो या दावा निस्तारण में अत्यधिक विलम्ब की। दावा निस्तारण से मना करने की शिकायत हो या कोई अन्य शिकायत। कोई भी बीमा कंपनी कभी यह नहीं चाहती कि उसके ग्राहकों को किसी तरह की ऐसी समस्या पेश आए जिसकी वजह से उसे शिकायत करने पर मजबूर होना पड़े लेकिन फिर भी कुछ समस्याएं आती ही रहती हैं क्योंकि हर व्यक्ति या संस्था के कार्य से कुछ लोग संतुष्ट होते हैं तो कुछ असंतुष्ट होते हैं। इसलिए बीमा कंपनियां भी ग्राहकों की शिकायतों से विचलित नहीं होतीं बल्कि ग्राहकों को संतुष्ट करते हुए इन शिकायतों के निपटारे का प्रबंध करती हैं। आज हम आपको भारत के बीमा व्यवसाय में ग्राहकों या बीमाधारकों की तरफ से आने वाली पांच मुख्य शिकायतें और उनके समाधान के बारे में बताने जा रहे हैं।

दावा निस्तारण में विलंब

बीमा उद्योग के पास सबसे ज्यादा शिकायतें बीमा दावा को लेकर होती हैं। बीमा दावों के निस्तारण में कागजी औपचारिकताएं पूरी न होने के कारण अक्सर विलंब हो जाता है और यही विलंब ग्राहकों को शिकायत करने के लिए मजबूर करता है। बीमा उद्योग में यह भी देखा जाता है कि कुछ कंपनियों की बीमा दावा प्रक्रिया काफी जटिल होती है जिसकी वजह से भी क्लेम मिलने में देरी होती है। दावा निस्तारण में विलम्ब से बचने के लिए पालिसीधारक को सबसे पहले बीमा कंपनी से एक कागज पर उन सारे दस्तावेजों की लिस्ट ले लेनी चाहिए जो दस्तावेज क्लेम का भुगतान करने के लिए जरूरी हैं। इसके बाद बीमा कंपनी ने जो भी दस्तावेज मांगे हैं उन्हें तिथिवार क्रमानुसार तैयार रखना चाहिए। क्लेम करते वक्त दिये जाने वाले जरूरी दस्तावेज में पालिसी से सम्बंधित विवरण, दावा निस्तारण हेतु उचित फार्म, चिकित्सीय रिपोर्ट, अन्य सम्बंधित रिपोर्ट और उनके बिल समुचित तरीके से रखने पर समय बहुत समय बच जाता है और बेकार के रिमाइंडर से बचा जा सकता है, साथ ही बीमा कम्पनी को भी दावा निस्तारण प्रक्रिया में पूरी करने में आसानी होती है। इसके अतिरिक्त दावेदार को बीमा कंपनी के समक्ष तयशुदा समय में हीं सभी सम्बंधित दस्तावेज़ जमा कराने चाहिए, यदि विलम्ब से कागजात जमा किए जाते है और उचित कागजात जमा नहीं किए जाते है, तो समयबद्ध तरीके से दावा निस्तारण की अपेक्षा नहीं कर सकते हैं।

नाकाफी बीमा कवर

कभी-कभी ऐसा भी हो सकता है कि बीमाधारक अथवा उसके परिजनों द्वारा किए गए क्लेम की राशि जोखिम कवर की राशि से ज्यादा होती है। ऐसी परिस्थिति में बीमा कंपनी से क्लेम मिलने में देरी होती है। ऐसा तब होता है जब कोई व्यक्ति जल्दबाजी में बीमा पालिसी खरीदता है और कई सूचनाओं को हासिल करने से वंचित रह जाता है। ऐसे हालात से बचने के लिए काफी सोच-विचार कर, अपनी जरूरतों का आकलन करके, पारिवारिक वितीय व्यवस्था को समझकर, अपने मित्रों, रिश्तेदारों, बीमा के जानकारों से पूरी चर्चा के उपरान्त हीं उचित बीमा कवर खरीदना चाहिए ताकि हमें जरूरत के समय बीमा का समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

बीमा नियमों पर असहमति

बीमा व्यवसाय में आने वाली शिकायतों में बीमा नियमावली एक महत्वपूर्ण बिन्दु है, जिस पर ध्यान देना बहुत हीं जरूरी है। कुछ ग्राहक बीमा कंपनी के नियमों से सहमत हो सकती हैं तो कुछ अपनी असहमति भी जता सकते हैं। दावा निस्तारण की प्रक्रिया में बीमाधारक कभी-कभी .खरीदे गए बीमा के कुछ ऐसे पेचीदा शब्दों के जाल में फंस जाते हैं जिसे न तो उन्होंने बीमा खरीदते समय समझा और न हीं बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि ने उन्हें इसके बारे में कुछ बताया। ऐसा होने से दावा निस्तारण के वक्त दावा निरस्त होने की अधिकाधिक सम्भावना बनी रहती है। इस समस्या से बचने के लिए बीमाधारकों को बीमा क्रय करते समय ही सतर्कतापूर्वक बीमा के बारीक़ बिन्दुओं पर बहुत हीं अच्छे से समझकर, चर्चा करके निर्णय लेना चाहिए। कोई भी द्विअर्थी शब्द अथवा ऐसे शब्द जिनके बारे में आप नहीं जानते हैं उसके बारे में पूरी जानकारी बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से अवश्य लेनी चाहिए।

ग्राहक सेवा अच्छी न होना

हालांकि बीमा कंपनियों में ग्राहकों की सेवा करने की परम्परा अभी भी बहुत हीं अच्छी रही है और चूँकि बीमा के अधिकतर नियम एकदम स्पष्ट होते है इसलिए उचित ग्राहक सेवा का लाभ भी मिलता रहता है। लेकिन ऐसा एकदम ही नहीं है कि सभी ग्राहकों को उचित सेवा हर जगह मिलती ही है। फिर भी बीमाधारक द्वारा स्तरहीन ग्राहक सेवा की शिकायतें मिलते हीं रहती हैं। इस प्रकार की समस्या से बचने के लिए ग्राहकों को सारे वार्तालाप का रिकार्ड / लाग बनाकर रखना चाहिए, किससे मिलें उनका नाम तथा कोड नंबर, किस दिन और किस समय मिलें, क्या बात हुई आदि। यदि पत्राचार हुआ है तो उसकी प्रतिलिपि, ईमेल का आदान-प्रदान हुआ है तो उसकी भी कॉपी जरूर रखना चाहिए। यदि स्तरहीन ग्राहक सेवा की समस्या आ हीं जाती है तो फिर कम्पनी के वरिष्ठ अधिकारी से जरूर शिकायत करनी चाहिए। बीमाधारक के पास अपनी शिकायतों को आगे बढ़ाने के अनेकों विकल्प होते है जैसे बीमा कार्यालय में सीधे जाकर शिकायत दर्ज कराना, ईमेल करना, टोल फ्री नंबर पर नोट कराना, सोशल मीडिया के विकल्प का सहारा लेना आदि।

सही जानकारी दें दोनों पक्ष

बीमा हमेशा से भरोसे का व्यवसाय रहा है। बीमा खरीदने वाले व्यक्ति से यह अपेक्षा रहती है कि वह अपनी आदतों, वितीय स्थिति, स्वास्थ्य सम्बंधित इतिहास आदि से सम्बंधित सभी जानकारियां 'प्रपोजल फार्म में' स्पष्ट तौर पर भरने के बाद हीं आवेदन करेंगे। ऐसा नही करना भरोसे को तोड़ने जैसा होता है और दावा निस्तारण के समय इसी विन्दु पर दावा निरस्त करने का अधिकार बीमा कम्पनी को रहता है। इस स्समस्य का सीधा सा समाधान यह है की बीमा खरीदते समय सभी कुछ सच सच बयान किया जाए। दरअसल बीमा व्यवसाय में लैटिन शब्द "उबेरिमा फीड्स" अर्थात परम सदभाव के सिद्धांत पर कार्य सम्पादन होता है। इसका सामान्य शब्दों में अर्थ यह है की बीमा देने वाली कम्पनी अपने किसी भी नियम को बीमा क्रय करने वाले प्रस्तावक से नही छुपाएगी। साथ हीं प्रस्तावक भी अपने बारे में किसी भी प्रकार की कोई भी जानकारी बीमा कंपनी से नही छिपाएंगें।

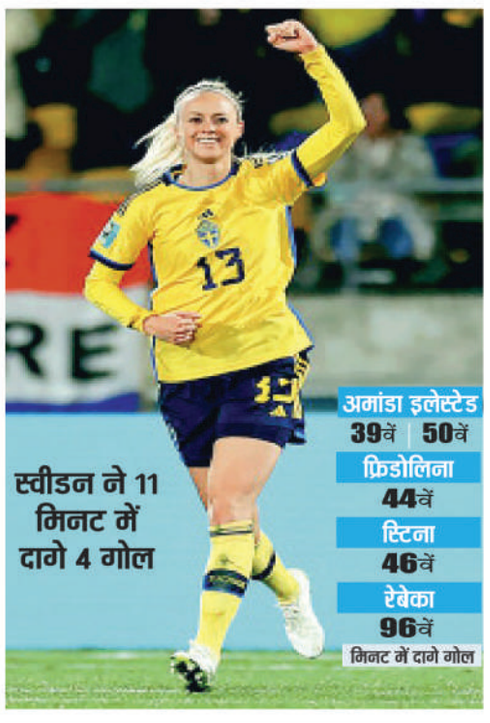

वर्ल्ड कप : स्वीडन ने इटली को 5-0 से हराकर नॉकआउट में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

स्वीडन ने इटली के खिलाफ कोई मौका नहीं गंवाया और शनिवार को यहां 5-0 से बड़ी जीत दर्ज करके फीफा महिला विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के नॉकआउट में जगह बनाई। स्वीडन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अमांडा इलेस्टेड के 90वें मिनट में किए गए गोल के दम पर 2-1 से जीत दर्ज की थी।

इलेस्टेड ने इटली के खिलाफ भी शानदार प्रदर्शन किया तथा दो गोल दागे। स्वीडन ने शुरू में गोल करने में असफल रहने के बाद 11 मिनट के अंदर चार गोल करके इटली को बैकफुट पर भेज दिया। इलेस्टेड ने अपना पहला गोल 39वें मिनट में और दूसरा गोल 50वें मिनट में किया। इस बीच फ्रिडोलिना रोल्फो ने 44वें मिनट में गोल किया जो उनका

टूर्नामेंट में दूसरा गोल है। इसके कुछ देर बाद पहले हाफ के इंजरी टाइम में स्टिना ब्लैकस्टेनियस ने गोल करके स्वीडन को मध्यांतर से पहले 3-0 से आगे कर दिया। स्वीडन की तरफ से पांचवां गोल रेबेका ब्लोमक्विस्ट ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में किया। इससे स्वीडन शान से अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहा।

यूजनी, वेंडी के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को 2-1 से हराया

ब्रिसबेन। अनुभवी फुटबॉलर यूजनी ले सोमर और वेंडी रेनार्ड के गोल की मदद से फ्रांस ने शनिवार को यहां महिला विश्व कप के ग्रुप एफ मैच में ब्राजील को 2-1 से हरा दिया। इस जीत से फ्रांस ने ग्रुप एफ में बढ़त हासिल की जिससे उसकी अगले दौर में पहुंचने की उम्मीद जीवंत बनी हुई हैं। फ्रांस ने पहले मैच में ड्रा खेला था। यूजनी 13वें मिनट में हेडर से गोल करने से चूक गयीं लेकिन 17वें मिनट में अपना 90वां अंतरराष्ट्रीय गोल करने में सफल रही। उनके शानदार हेडर का ब्राजीली गोलकीपर लेटिसिया के पास भी कोई जवाब नहीं था। ब्राजील के लिए डेबिन्हा ने 58वें मिनट में बराबरी गोल दागा। वेंडी ने 83वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को तीन अंक दिलाये जिससे तालिका में वह चार अंक लेकर ब्राजील से आगे शीर्ष पर पहुंच गयी है। अब ग्रुप के अंतिम मैच में फ्रांस का सामना सिडनी में पनामा से होगा जबकि ब्राजील की भिड़ंत मेलबर्न में जमैका से होगी।

खबर संक्षेप

अदिति का फ्रांस में शानदार प्रदर्शन

एवियन ले बेंस। भारत की अदिति अशोक ने इवन पार 72 का स्कोर करके एमुंडी एवियन गोल्फ चैम्पियनशिप में संयुक्त 28वें स्थान के साथ कट में प्रवेश कर लिया। अदिति ने पहले दौर में एक ओवर 71 स्कोर किया था । अब उनका सामना कोरिया की एमी यांग से होगा। भारत की ही दीक्षा डागर आखिरी चरण में खराब प्रदर्शन के कारण कट में प्रवेश से चूक गई। आर्डर आफ मेरिट में पांचवें स्थान पर काबिज दीक्षा अगले सप्ताह महिला स्कॉटिश ओपन खेलेंगी।

जीव ने कट में प्रवेश किया, अटवाल चूके

पोर्थकॉवल। भारत के जीव मिल्खा सिंह ने तेज हवाओं के बीच शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉयल पोर्थकॉवल गोल्फ क्लब पर

सीनियर ओपन चैम्पियनशिप के कट में प्रवेश कर लिया। पिछले साल ग्लेनेगल्स में कट में प्रवेश से चूके जीव पहले दौर के बाद चौथे स्थान पर थे लेकिन दूसरे दौर के बाद छह ओवर 77 के स्कोर के साथ संयुक्त 48वें स्थान पर खिसक गए। जीव ने चार बोगी और एक डबल बोगी किया। बाद में वापसी करते हुए उन्होंने दो बर्डी लगाए। अटवाल और रंधावा दोनों क्वालीफायर के जरिए पदार्पण कर रहे थे लेकिन कट में जगह नहीं बना सके।

रिटायर नहीं होना चाहते एंडरसन

लंदन। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि वह पांचवें एशेज टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा नहीं कहना चाहते क्योंकि अभी वह अपनी

टीम को बहुत कुछ दे सकते हैं। इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक विकेट ले चुके एंडरसन रविवार को 41 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने इस एशेज श्रृंखला में पांच ही विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने खराब गेंदबाजी की या मेरी रफ्तार कम हुई है। मुझे लगता है कि अभी भी इस टीम को बहुत कुछ दे सकता हूं। जहां तक संन्यास का सवाल है तो मैं जल्दी ही नहीं लेने वाला। अभी मैं बहुत कुछ दे सकता हूं।'

रस ने पहली बार जीता डब्लूटीए टूर खिताब

हैम्बर्ग। नीदरलैंड की अनुभवी खिलाड़ी अरांत्सा रस ने शनिवार को हैम्बर्ग यूरोपीय ओपन के फाइनल में जर्मनी की किशोर खिलाड़ी नोमा नोहा अकुगु को 6-0, 7-6 (3) से हराकर अपना पहला डब्लूटीए टूर खिताब जीता। यह दोनों खिलाड़ियों का पहला फाइनल था। 19 वर्षीय नोहा अकुगु अपने गृहनगर में वाइल्ड कार्ड के रूप में डब्लूटीए टूर्नामेंट की शुरुआत कर रही थी, जबकि 32 वर्षीय रस 2007 के बाद सबसे अधिक उम्र में पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनीं।

पहले दिन भारत ने चार पदकों के साथ खोला खाता

विश्व विश्वविद्यालय खेलों में भारत ने जीते तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

निशानेबाजों के तीन स्वर्ण पदक की बदौलत भारत ने शनिवार को चीन के चेंगदू में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों में चार पदक से अपना खाता खोला। ओलंपियन निशानेबाज इलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 2019 के चरण में रजत पदक जीता था।

निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा में दिन का दूसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। मनु ने यशस्विनी सिंह देसवाल और अभिदन्या अशोक पाटिल के साथ मिलकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीत लिया। भारत ने इस टूर्नामेंट में जूडो में पहली बार पदक जीता जो यामिनी मौर्या ने महिलाओं की 57 किग्रा स्पर्धा में कांस्य पदक के रूप में दिलाया।

निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा में जीता स्वर्ण पदक।

इलावेनिल वलारिवान ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में भारत के लिए जीता पहला सोना।

आठ तीरंदाज पदकों की दौड़ में शामिल

भारत ने तीरंदाजी में भी तीसरा पदक पक्का कर लिया है क्योंकि अमन सैनी और प्रगति की कम्पाउंड मिश्रित टीम ने फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत तीरंदाजी में आठ पदकों की दौड़ में है। अमन और प्रगति की टीम ने मेजबान चीन को सेमीफाइनल में 152-151 के स्कोर से महज एक अंक से हराकर फाइनल में जगह बनायी। अब स्वर्ण पदक के लिए उनका सामना कोरिया से होगा।भारत पदक तालिका में अभी जापान (चार स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य), मेजबान चीन (4-2-2) और कोरिया (4-2-2) से पीछे है।

विश्व तैराकी चैंपियनशिप

कैटी ने जीते सबसे ज्यादा स्वर्ण, फेल्प्स को पछाड़ा

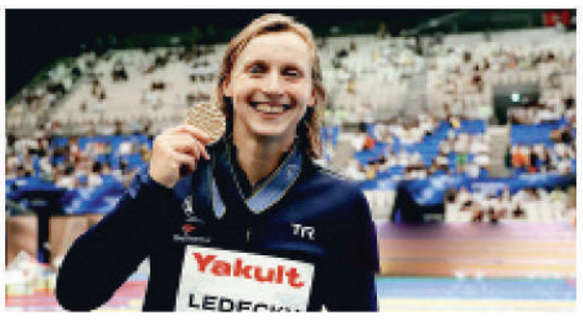

एजेंसी ▶▶| फुकुओका

अमेरिका की कैटी लेडेकी ने इतिहास की सबसे महान महिला तैराक के रूप में अपनी विरासत में इजाफा करते हुए शनिवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप की 800 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा जीतने के साथ दो रिकॉर्ड अपने नाम किए।

इस 26 साल की तैराक ने विश्व चैंपियनशिप में एक ही स्पर्धा छह बार जीती जिससे वह ऐसा करने वाली पहली तैराक बन गई जो उनका 16वां व्यक्तिगत विश्व खिताब था। इसकी बदौलत वह माइकल फेल्प्स का विश्व चैम्पियनशिप में सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक के रिकॉर्ड को तोड़ने में सफल रहीं।

लेडेकी ने दबदबा बनाते हुए आठ मिनट 8.87 सेकंड के समय से स्पर्धा जीती। उन्होंने मंगलवार को 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में भी स्वर्ण पदक जीता था और साथ ही उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक जीता था। चीन की लि बिंगजी ने रजत और आस्ट्रेलिया की अरियाने टिटमस ने कांस्य पदक हासिल किया।

सोस्ट्रोएम ने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

स्वीडन की तैराक सारा सोस्ट्रोएम ने शनिवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में 23.61 सेकंड का समय लेकर अपना ही पिछला विश्व रिकार्ड तोड़ा। पिछला रिकॉर्ड 23.67 सेकंड का था जो कि उन्होंने 2017 में बनाया था। सोस्ट्रोएम ने 50 मीटर बटरफ्लाई में 24.77 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीतने के 10 मिनट बाद यह रिकॉर्ड बनाया। सोस्ट्रोएम विश्व चैंपियनशिप में अब तक 20 व्यक्तिगत पदक जीत चुकी है और इस तरह से उन्होंने माइकल फेल्प्स की बराबरी कर ली है। इन पदकों में रिले में जीते गए पदक शामिल नहीं हैं। सोस्ट्रोएम के पदकों में 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं।

रोहित, कोहली को दूसरे वनडे में मिला आराम

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

पहला वनडे मैच जीत चुकी भारतीय टीम ने दूसरे वनडे मैच में बड़े बदलाव किए हैं। कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मैच बारबाडोस में खेला गया।

रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा और मध्यक्रम की रीढ़ विराट कोहली को दूसरे वनडे मैच में आराम दिया गया है। इनकी जगह भारतीय प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन और अक्षर पटेल को शामिल किया गया है। हार्दिक पांड्या को दूसरे वनडे मैच का कप्तान नियुक्त किया गया है। टॉस के बाद हार्दिक ने कहा, रोहित और विराट लगातार क्रिकेट खेल रहे

हैं, हमें कुछ सवालों के जवाब देने की जरूरत है, इसलिए वे इस खेल में आराम कर रहे हैं। वे तीसरे वनडे के लिए तरोताजा हो सकते हैं। समाचार लिखे जाने तक टीम इंडिया के 181 रन के जवाब में वेस्टइंडीज ने तीन विकेट के नुकसान पर 84 रन बना लिए थे।

इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया पर बनाई 377 रन की बढ़त

लंदन। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लंदन के ओवल मैदान में खेला जा रहा एशेज का पांचवां टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। इंग्लैंड ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में नौ विकेट पर 389 रन बना लिए हैं। इंग्लिश टीम ने अपनी पहली पारी में 283 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 295 रन पर खत्म हुई थी। उन्होंने इंग्लैंड पर 12 रन की बढ़त हासिल की थी। ऐसे में दूसरी पारी में इंग्लैंड की बढ़त अब तक 377 रन की हो चुकी है। फिलहाल स्टुअर्ट ब्रॉड दो रन और जेम्स एंडरसन आठ रन बनाकर नाबाद हैं।

लालरेमसियामी की हैट्रिक गोल से भारत ने इंग्लैंड को 3-0 से रौंदा

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

स्ट्राइकर लालरेमसियामी की हैट्रिक की मदद से भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां स्पेनिश हॉकी महासंघ की सौवीं वर्षगांठ पर हो रहे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इंग्लैंड पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की।

लालरेमसियामी ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के 13वें, 17वें और 56वें मिनट में तीन गोल किए। इंग्लैंड (1-1) और स्पेन (2-2) के खिलाफ अपने पिछले दो मैच को बराबरी पर खत्म करने वाली भारतीय महिला टीम ने इस दौरे पर

पहली बार जीत का स्वाद चखा। अब तक अजेय रहने के बाद, सविता की अगुवाई में भारतीय महिलाएं रविवार को टूर्नामेंट के आखिरी मैच में तालिका की शीर्ष टीम के रूप में मैदान पर उतरेंगी। भारतीय टीम रविवार को स्पेन का सामना करेगी।

वित्तीय नियम तोड़ने के लिए चेल्सी पर लगाया जुर्माना

यूईएफए ने जुवेंटस को यूरोपीय प्रतियोगिता से हटाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जुवेंटस को अगले सत्र में यूरोपीय प्रतियोगिता से हटा दिया गया और वित्तीय नियमों के उल्लंघन पर यूईएफए के अलग-अलग फैसलों में चेल्सी पर 11 मिलियन अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया। शुक्रवार को तीसरे स्तर के यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग से जुवेंटस का निष्कासन एक झूठे लेखांकन मामले के कारण होने की उम्मीद थी, जिसमें पहले से ही दो बार के यूरोपीय चैंपियन ने सीरि ए में 10 अंक काट लिए थे।

उस दंड ने जुवेंटस को चैंपियंस लीग क्वालीफिकेशन स्थानों से बाहर कर दिया था। यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग में जुवेंटस का स्थान 24 अगस्त से शुरू होने वाले प्लेऑफ दौर में फियोरेंटीना

को मिलना चाहिए। यूईएफए ने शुक्रवार को कहा कि जुवेंटस को फाइनेंशियल फेयर प्ले नियमों को तोड़ने के लिए 10 मिलियन यूरो (11 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी भरना होगा। यदि क्लब भविष्य के सीजन में यूईएफए वित्तीय निगरानी नियमों का पालन करने में विफल रहता है तो अतिरिक्त 10 मिलियन यूरो की कटौती की जा सकती है।

जुवेंटस ने फैसले पर जताया खेद

जुवेंटस के अध्यक्ष जियानलुका फेरेरो ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि हमें यूईएफए क्लब वित्तीय नियंत्रण निकाय के फैसले पर खेद है। हम उस व्याख्या को साझा नहीं करते हैं, जो हमारे बचाव में दी गई है और हम अपने कार्यों की वैधता और हमारे तर्कों की वैधता के प्रति दृढ़ता से आश्वस्त हैं। हालांकि, हमने इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं करने का फैसला किया है। इस दर्दनाक फैसले के बावजूद, अब हम कोर्ट पर नहीं बल्कि मैदान पर ध्यान केंद्रित करके नए सीजन का सामना कर सकते हैं।

चेल्सी ने दी गलत जानकारी

एक अलग मामले में, चेल्सी 2012 और 2019 के बीच प्रस्तुत की गई गलत वित्तीय जानकारी के लिए यूईएफए को 10 मिलियन यूरो का भुगतान भी करेगी, जब" क्लब का स्वामित्व रूसी कुलीन रोमन अब्रामोविच के पास था। यूईएफए ने कहा कि चेल्सी के वर्तमान अमेरिकी नेतृत्व वाले स्वामित्व समूह ने पिछले साल मई में क्लब के पिछले स्वामित्व के तहत संभावित रूप से अपूर्ण वित्तीय रिपोर्टिंग की सूचना दी थी।

बच्चों से लेकर बड़ों तक में तेजी से फैल रहा आई फ्लू, जानिए लक्षण और बचाव के तरीके

देश में भारी बारिश और बाढ़ के हालातों के बीच तेजी से आई फ्लू का कहर बढ़ रहा है। तमाम राज्यों के लोग बड़ी तादात में इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं। बता दें कि आई फ्लू के खतरे को देखते हुए कई राज्यों के स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है। इस फ्लू की चपेट में सबसे ज्यादा बच्चे आ रहे हैं। आई फ्लू के कारण सभी लोगों की चिंता बढ़ गई है। मेडिकल भाषा में आई फ्लू को कंजक्टिवाइटिस कहा जाता है। आई फ्लू से संक्रमित होने पर आंखें लाल हो जाती हैं और उनमें खुजली होने लगती है। आंखों से पानी बहने के साथ ही रोशनी से समस्या होने लगती है। वहीं कई लोगों की आंखों में सूजन भी हो जाती है। आई फ्लू के बढ़ते कहर के बीच लोगों के बीच यह बात तेजी से फैल रही है कि इस फ्लू के संक्रमित व्यक्ति की आंखों में देखने से आई फ्लू फैल सकता है। लेकिन इस बात में कितनी सच्चाई है, यह हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं। आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, आई फ्लू एक वायरल इंफेक्शन होता है। जो इस समय तेजी से फैल रहा है। संक्रमण की वजह से यह वायरस फैलता है। इस इंफेक्शन के कारण आंखों में परेशानी होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। आई फ्लू में व्यक्ति की आंखों से फ्लूड निकलना, आंखों में खुजली होना, सूजन आना, आंखे लाल होना और लाइट सेंसिटिविटी जैसी समस्याएं होने लगती हैं। हालांकि आई स्पेशलिस्ट के अनुसार, यह वायरस आंखों के लिए खतरनाक नहीं होता है। यह वायरस 1-2 सप्ताह में अपने आप ही सही हो जाता है। आई फ्लू होने से लोगों के विजन में कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन कई बार इस वायरस की वजह से देखने में टेंपरेरी समस्या हो सकती है। लेकिन विजन समय के साथ ही ठीक हो जाता है। आई स्पेशलिस्ट की मानें तो यह एक सेल्फ लिमिटिंग इंफेक्शन है। इस वायरस को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है।

म्यांमार से मणिपुर आए लोगों का बायोमीट्रिक डेटा लेना शुरू

अवैध नागरिकों की पहचान होगी, केंद्र का आदेश, सितंबर तक पूरा करना होगा काम

इंफाल ■ एजेंसी

मणिपुर सरकार ने शनिवार को राज्य में म्यांमार से आए लोगों का बायोमीट्रिक डेटा लेना फिर शुरू कर दिया है। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर हो रही है। इसका मकसद मणिपुर में अवैध रूप से रह रहे म्यांमार के नागरिकों की पहचान करना है। यह काम सितंबर 2023 से पूरा करने को कहा गया है।

बयोमीट्रिक पहचान का काम पहले भी चल रहा था, लेकिन राज्य में हिंसा के चलते बंद कर दिया गया था। गृह मंत्रालय ने नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अधिकारियों की टीम मणिपुर भेजी है जो वहां के अफसरों को डेटा कलेक्ट करने की ट्रेनिंग देगी। इससे पहले हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में इंडियन नेशनल डेवपलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के सांसदों ने दौरा और हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। यह दौरा दो दिन का है।

इधर सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में सीबीआई ने शनिवार को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। केंद्र सरकार ने 27 जुलाई को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की बात सुप्रीम कोर्ट को बताई थी। वहीं मणिपुर दौरे पर गए विपक्षी संगठन इंडियन नेशनल डेवपलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस के दल को इंडीजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने चिट्ठी लिखी है। इसमें बताया है कि तीन महीने से राज्य में जातीय हिंसा भड़की है। राज्य के सैन्यागार से हजारों हथियार लूटे गए हैं। राज्य के इकलौते हाईवे को बंद कर दिया गया है। जिसके चलते सबसे बड़े जिले चूराचांदपुर में रोजमर्रा की चीजों की कमी हो गई है।

इंडिया के सांसद मणिपुर पहुंचे

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवपलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 21 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा। इसके बाद सांसदों का एक दल चूराचांदपुर पहुंचा। यहां उन्होंने रिलीफ कैंप में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। ये सांसद 30 जुलाई तक यहां रहेंगे और जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। राज्य में तीन महीनों से जारी हिंसा और यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार और संसद को अपनी राय भी देंगे। इस बीच, मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में सीबीआई ने शनिवार को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी। केंद्र सरकार ने 27 जुलाई को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की बात सुप्रीम कोर्ट को बताई थी। साथ ही हलफनामा दायर कर मामले की सुनवाई मणिपुर से बाहर कराने की अपील भी की थी। उधर, मणिपुर की राजधानी इंफाल में मैतेई समुदाय की महिलाओं ने प्रदर्शन किया। उन्होंने शांति की अपील की और कहा कि कुकी समुदाय के लिए प्रशासन अलग से कोई नियम ना बनाए। इस बीच राज्यपाल अनुसूइया उइके रिलीफ कैंप में जाकर हिंसा पीड़ितों से मिलीं। यहां उन्होंने एक महिला को गले लगाकर ढांढस बंधाया।

मोदी आएं, हम उन्हें कंपनी देंगे : गौरव गोगोई

इंडिया के सांसदों की एक अन्य टीम चूराचांदपुर के डॉन बॉस्को स्कूल में बने रिलीफ कैंप पहुंची। यहां कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि यहां लोग कभी भी उन लोगों को माफ नहीं करना चाहते, जिन्होंने उनको इस हालात में पहुंचाया। उनकी जिंदगी को सामान्य करने के लिए अभी कई कदम उठाने होंगे। केंद्र पर निशाना साधते हुए गोगोई ने कहा कि सरकार कह रही है कि मणिपुर में हालात सामान्य हो रहे हैं, लेकिन लोग फिर कैंपों में क्यों रह रहे हैं। आखिर लोग क्यों अपने घर नहीं लौटना चाहते? मतलब साफ है कि लोगों का सरकार पर भरोसा नहीं है। गोगोई ने ये भी कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर आएं तो हम उन्हें कंपनी (साथ) देंगे।

सांसदों के दौरे पर सरकार ने साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने विपक्षी सांसदों के मणिपुर दौरे पर कहा कि जब पहले की सरकारों के कार्यकाल में मणिपुर जलता था तो ये सांसद पार्लियामेंट में एक शब्द नहीं बोलते थे।

रामेश्वरम मंदिर में शाह ने की पूजा-अर्चना

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु के रामनाथस्वामी मंदिर (रामेश्वरम) में पूजा-अर्चना की।

1 अगस्त को पीएम मोदी के साथ नजर आएंगे शरद पवार, विपक्ष चिंतित

नई दिल्ली, (आरएनएन)। 2024 के आम चुनावों में नरेंद्र मोदी और भाजपा को रोकने के लिए विपक्षी दल एक साथ आए हैं और I.N.D.I.A. का गठन किया है। शरद पवार भी इस विपक्षी गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन आगामी मंगलवार यानी 1 अगस्त को इस मराठा नेता को लेकर विपक्ष की चिंता बढ़ा दी है। उस दिन पीएम नरेंद्र मोदी मुंबई में रहेंगे और उनके साथ स्टेज पर शरद पवार भी नजर आएंगे। विपक्षी नेताओं का कहना है कि पवार का मोदी के साथ नजर आना गलत संदेश देगा। इससे विपक्षी एकता कमजोर पड़ेगी।

विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मुद्दे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी बात की है। खड़गे से गुजारिश की गई है कि वे शरद पवार से बात करें और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने से रोकें। 1 अगस्त को तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित समारोह के पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक सम्मान से नवाजा जाएगा।

बंगाल में टीएमसी नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना जिले में टीएमसी के एक नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। टीएमसी नेता ने हाल में हुए पंचायत चुनाव में जीत हासिल की थी। टीएमसी नेता के साथ मौजूद एक व्यक्ति भी फायरिंग में घायल हो गया। डायमंड हार्बर पुलिस थाने के सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर मिथुन डे ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात को मगराहाट के ब्लॉक 2 के अर्जुनपुर इलाके में हुई। एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि हमले में मारे गए टीएमसी नेता का नाम मैमूर घारामी और उसके साथी का नाम शजाहन है।

बद्रीनाथ हाईवे का 50 मीटर का हिस्सा बहा

हिमाचल में लैंडस्लाइड, एनएच-5 बंद, जयपुर में 10 घंटों में 6 इंच बारिश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ नेशनल हाईवे (एनएच-7) का 50 मीटर का हिस्सा बह गया। शुक्रवार को हुई भारी बारिश के बाद लांबगढ़ नाले में जलस्तर बढ़ गया था, जिसके चलते हाईवे का हिस्सा बहा। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में चौरा के पास लैंडस्लाइड होने के चलते नेशनल हाईवे-5 ब्लॉक हो गया। इसके अलावा भी हाईवे पर कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुई हैं।

केंद्रीय टीम असम में बाढ़ के नुकसान का आकलन करेगी

केंद्र की टीम ने असम में बाढ़ से हुए नुकसान का पता लगाने के लिए असम सरकार से जियो-टैग्ड रियल टाइम फोटोग्राफ उपलब्ध कराने को कहा है। टीम ने असम सरकार से ये भी बताने को कहा कि बाढ़ से कितने घरों और कितनी फसल का नुकसान हुआ। केंद्र की सात सदस्यीय टीम तीन दिन के दौरे पर 27 जुलाई को असम पहुची थी। टीम ने बाढ़ प्रभावित लखीमपुर, धेमाजी, बिस्वनाथ, बक्सा, बारपेटा, चिरांग, बजाली और नलबाड़ी जिलों का दौरा किया था।

राजस्थान में कई इलाकों में भारी बारिश से पानी भरा

राजस्थान की जयपुर में 10 घंटों में 6 इंच बारिश हो चुकी है। कई इलाकों में एक-एक फीट तक पानी भर गया है। जयपुर से चलने वाली कई ट्रेनों को भी रद्द किया गया है। वहीं, चित्तौड़गढ़ स्थित रावतभाटा के पाड़झर झरने में नहाने गए दो इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स डूब गए। वे अपने 18 अन्य साथियों के साथ कोटा से घूमने आए थे। मौके पर गोताखारों की टीम दोनों की तलाश कर रही है।

प. बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव की हालत बिगड़ी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को शनिवार शाम को हालत बिगड़ने के बाद महानगर के एक निजी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। अस्पताल में उनके स्वास्थ्य की जांच और इलाज के लिए एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। अस्पताल सूत्रों ने इसकी जानकारी दी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि शनिवार सुबह से ही भट्टाचार्य की तबीयत बिगड़ने लगी थी। उनको सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और खून में ऑक्सीजन की मात्रा भी कम हो गई थी।

मुंबई में आतंकी हमले का खतरा, सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के चाबड़ हाउस पर एक बार फिर आतंकी हमले का खतरा मंडरा रहा है। पुणे से गिरफ्तार किए गए दो टेररिस्ट के पास से इसकी गूगल फोटो मिली हैं। दोनों टेररिस्ट राजस्थान में आतंकी हमले की प्लानिंग कर रहे थे। इसके बाद कोलाबा स्थित इस यहूदी सामुदायिक केंद्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यह हाउस 26/11 के आतंकवादी हमलों के टारगेट में से एक है।

मुहर्रम पर बड़ा हादसा, 4 की मौत, 13 घायल

बोकारो, (एजेंसी)। मुहर्रम के दौरान झारखंड के बोकारो में बड़ा हादसा हुआ है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। बोकारो जिला के पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको में मोहर्रम का ताजिया 11 हजार वोल्ट वाले हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं, 13 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। ये सभी लोग ताजिया को इमाम बाड़ा शिफ्ट करने जा रहे थे।

यूरोप में 8 करोड़ रुपए लीटर बिक रहा बिच्छू का जहर

तुर्की की एक प्रयोगशाला में रोजाना इकट्ठा किया जाता है दो ग्राम बिच्छू का जहर

नई दिल्ली। सांपों की तरह बिच्छू भी खतरनाक होते हैं और किसी व्यक्ति की जान तक ले सकते हैं, लेकिन इनका जहर काफी कीमती होता है। बिच्छू के एक लीटर जहर की कीमत करीब दस लाख डॉलर तक है। अगर भारतीय करेंसी में बात करें तो यह करीब आठ करोड़ रुपए बनता है। तुर्की की एक प्रयोगशाला में बीस हजार बिच्छू हैं, जहां हर रोज दो ग्राम बिच्छू का जहर इकट्ठा किया जाता है।

प्रयोगशाला संचालक ने बताया कि वे बिच्छुओं की देखभाल करते हैं, उन्हें समय से खाना खिलाते हैं और उनके जहर को निकालकर अच्छी कीमत पर यूरोप में बेचते हैं। उनके मुताबिक एक बिच्छू के डंक में

सिर्फ दो मिलीग्राम जहर होता है। करीब तीन सौ से चार सौ बिच्छुओं की मदद से एक ग्राम जहर जमा हो पाता है। कीमत की बात करते हुए प्रयोगशाला से जुड़ी मैडेन कहती हैं कि एक लीटर जहर करीब दस लाख डॉलर तक में बिकता है।

किस काम आता है जहर

लातिन अमेरिका में पाए जाने वाले एक खास बिच्छू के जहर से मार्गा टॉक्सिन नामक पदार्थ निकलता है जो रक्त वाहिकाओं में कोशिकाओं का निर्माण करने में मदद करता है और हार्ट सर्जरी में उपयोग किया जाता है। ये बिच्छू पांच से आठ सेंटीमीटर लंबे होते हैं, हालांकि इनका जहर इतना घातक नहीं होता है, लेकिन अगर ये किसी व्यक्ति को काट लें तो वह तेज दर्द, सूजन और खुजली से परेशान हो जाएगा। बिच्छू के डंक पर शोध कर रहे लीड्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेविड कहते हैं कि यह जहर बहुत गुणकारी होता है और इसकी थोड़ी सी मात्रा भी फायदेमंद होती है। उनके मुताबिक मार्गा टॉक्सिन का उपयोग दवा की तरह तो होता ही है इसके साथ ही हृदय से जुड़ी बीमारियों में स्प्रे के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। आज कल बिच्छू के जहर का इस्तेमाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी किया जाता है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सातवें पोते को सार्वजनिक रूप से स्वीकारा

वाशिंगटन,(एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने सातवें पोते को स्वीकार किया है। श्री बाइडेन ने शुक्रवार को पीपुल मैगजीन को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है, बल्कि एक पारिवारिक मामला है। जिल और मैं केवल वही चाहते हैं जो हमारे सभी पोते-पोतियों के लिए सबसे अच्छा हो। चार साल की यह बच्ची श्री बाइडेन के बेटे हंटर की संतान है। हंटर ने गत जून में बच्चे के भरण-पोषण को लेकर वर्षों से चली आ रही अदालती लड़ाई का निपटारा किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि मेरा बेटा हंटर और लुंडेन एक ऐसे रिश्ते को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जो उनकी बेटी नेवी के हित में है। जितना संभव हो सके उसकी गोपनीयता बरकरार रखी जाये।

बाइडेन ने पीपुल मैगजीन को दी जानकारी

महाराष्ट्र में 2 बस टकराईं छह की मौत, 21 घायल

बुलढाणा, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाणा में दो प्राइवेट बसें टकरा गईं। हादसे में 2 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई, वहीं 21 लोग घायल हो गए। एक्सीडेंट शनिवार रात लगभग 2 बजकर 30 मिनट पर मलकापुर कस्बे के एक फ्लाईओवर पर हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें से एक बस अमरनाथ यात्रा से लौटकर हिंगोली जा रही थी। वहीं, दूसरी बस नासिक की तरफ जा रही थी। नासिक की ओर जा रही बस ने एक ट्रक को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान वह सामने से आ रही बस से टकरा गई। हादसे के बाद जिले के सीनियर अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

एक बस अमरनाथ यात्रा से लौटकर आ रही थी

राजस्थान में शत-प्रतिशत टीकाकरण स्लम एरिया में विशेष अभियान चलाएं

जयपुर,(ब्यूरो)। मुख्य सचिव ऊषा शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य हासिल करने के लिए स्लम, पेरीफेरी एरिया सहित ऐसे क्षेत्र जिनमें टीकाकरण का प्रतिशत कम है, उन्हें विशेष रूप से चिन्हित कर एक विशेष अभियान चलाया जाए। इस कार्य में सभी संबंधित विभाग अपना शत-प्रतिशत योगदान दें ताकि प्रदेश में शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

मिशन इंद्रधनुष 5.0

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में टीकाकरण के संबंध में गठित राज्य स्तरीय स्टेरियंग कमेटी को वीसी के माध्यम से सम्बोधित कर रही थी। मुख्य सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी है । उन्होंने कहा कि टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के साथ हमें मिजल्स और रूबेला को प्रदेश से पूरी तरह समाप्त करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि लोगों में जागरूकता के लिए धार्मिक एवं आध्यात्मिक गुरूओं, स्वयंसेवी संस्थाओं आदि का सहयोग लें।

केरल के राज्यपाल के काफिले में घुसी कार, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के काफिले में शुक्रवार रात एक तेज रफ्तार अज्ञात कार घुस गई। कार ने काफिले में चल रहे सुरक्षा कर्मी की गाड़ी में टक्कर मार दी।

दरअसल, जब राज्यपाल का काफिला गुजर रहा था तभी ब्लैक कलर की स्कॉर्पियो कार गवर्नर के रास्ते में आ गई और फ्लीट में चल रही सुरक्षा कर्मी की गाड़ी से टकरा गई। गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान निजी प्रोग्राम में नोएडा सेक्टर-77 में आए थे। पुलिस ने मौके से कार को बरामद कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये घटना नोएडा सेक्टर-113 थाना क्षेत्र की है।

आज का इतिहास

- **1602:** इंडोनेशिया में नीदरलैंड का राजनैतिक एंव साम्राज्यवादी प्रभाव आरंभ हुआ।
- **1729:** मैरीलैंड में बाल्टीमोर शहर की स्थापना हुई।
- **1825:** माल्दन द्वीप की खोज को हुई।
- **1836:** अमेरिका के हवाई में अंग्रेजी भाषा का पहला अखबार प्रकाशित हुआ।
- **1909:** राइट भाईयों ने सेना के लिए पहला विमान बनाया ।
- **1930:** एनबीसी रेडियो पर देश वैली डेज का पहला प्रसारण हुआ।
- **1932:** अमेरिका के लास एंजिल्स में दसवें आधुनिक ओलंपिक खेल की शुरुआत हुई।
- **1942:** जर्मन की सेना ने बेलारूस के मिंस्क में 25000 यहूदियों की हत्या की।

Filmi तड़का

सुष्मिता सेन की वेबसीरीज ताली का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री सुष्मिता सेन की आने वाली वेबसीरीज ताली का टीजर रिलीज हो गया है। 'ताली'का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। ताली में सुष्मिता, गौरी सावंत के रोल में हैं, जो सोशल वर्कर है और किन्नरों के हित के लिए काम करती है। टीजर की शुरुआत दमदार डायलॉग के साथ होती है। गौरी की भूमिका निभा रहीं सुष्मिता कहती हैं-'मैं गौरी। जिसे कोई हिजड़ा कहता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी बुलाता है, तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की, गाली से ताली तक, जो लोग अपनी असलियत दिखाने से डरते हैं। वो कभी जीतते नहीं बाबू। स्वाभिमान, सम्मान, स्वतंत्रता, मुझे ये तीनों चाहिए।' 'ताली' जियो सिनेमा पर 15 अगस्त को रिलीज होगी।

64 वर्ष के हुए संजय दत्त

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता संजय दत्त आज 64 वर्ष के हो गये। 29 जुलाई 1959 को मुंबई में जन्में संजय दत्त को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता सुनील दत्त अभिनेता और मां नरगिस जानी-मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण संजय दत्त अक्सर अपनी माता-पिता के साथ शूटिंग देखने जाया करते थे। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेता बनने के ख्वाब देखने लगे। संजू बाबा को उनके जन्म दिन पर जैकी श्रॉफ सहित बॉलीवुड कलाकारों ने बधाई दी। संजय दत्त ने बतौर बाल कलाकार अपने सिने करियर की शुरूआत अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म रेशमा और शेरा से की। बतौर अभिनेता उन्होंने अपने करियर की शुरूआत वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म रॉकी से की। दमदार निर्देशन पटकथा और गीत-संगीत के कारण फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुई।

अभा शिक्षा समागम : राजस्थान के शैक्षिक नवाचारों और फ्लैगशिप योजना की गूंज

जयपुर, (ब्यूरो)। नई दिल्ली के आईटीपीओ, प्रगति मैदान में शनिवार को आरम्भ हुए दो दिवसीय अभा शिक्षा समागम में राजस्थान में स्कूली शिक्षा के नवाचार और फ्लैगशिप योजनाओं को खूब सराहा गया। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शिक्षा समागम के पहले दिन आयोजित 'एक्सेस टू क्वालिटी एजुकेशन एंड गवर्नेंस' के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में प्रदेश में स्कूल शिक्षा में चलाई जा रही फ्लैगशिप योजनाओं के साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों के समन्वय, बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने की पहल, 10 वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को स्ट्रीम और विषय चयन में मार्गदर्शन के लिए इस शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में चलाए गए 'डायल फ्यूचर' कार्यक्रम, नो-बैग डे के तहत अलग-अलग थीम पर गतिविधियों के

आयोजन जैसे नवाचारों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

श्री जैन ने नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में राजस्थान के नवाचारों की व्याख्या करते हुए बताया कि राजस्थान के स्कूलों में 'नो बैग डे' के तहत शनिवार को संविधान की उद्देश्यिका और मूल कर्तव्यों के पठन, 'सुरक्षित स्कूल, सुरक्षित राजस्थान' (गुड टच-बैड टच), तम्बाकू से बचाव, स?क सुरक्षा और बी-स्मार्ट जैसी गतिविधियों को शामिल करते हुए विस्तृत कैलेंडर तैयार किया गया है।

अमित सिंह फिर से निर्विरोध चुने गए प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष

सतीश पाठक मंत्री, सतीश सिंह बरिष्ठ उपाध्यक्ष, शैलेन्द्र सिंह संयुक्त मंत्री व रोहित यादव कोषाध्यक्ष पद पर हुए निर्वाचित, टीडी कालेज के मार्कण्डेय सिंह में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का आयोजित हुआ वार्षिक शिक्षक सम्मेलन व जनपदीय कार्यसमिति का चुनाव

प्रखर जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का वार्षिक शिक्षक सम्मेलन व जनपदीय कार्यसमिति का चुनाव रविवार को टीडी कालेज के मार्कण्डेय सिंह सभागार मे भारी भीड़ के बीच गहमा- गहमी के साथ सम्पन्न हुआ। पुरुष व महिला मोर्चा के सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए।

चुनाव मे प्रवेक्षक के रूप मे मौजूद संगठन के प्रांतीय महामंत्री उमाशंकर सिंह व चुनाव अधिकारी मांडलिक संगठन मंत्री सुरेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन मे दिन में नौ बजे नामांकन शुरू हुआ। निर्धारित एक घंटे के समय मे सभी पदों पर सिर्फ एक- एक नामांकन होने पर चुनाव अधिकारी ने अध्यक्ष पद पर अमित सिंह, जिलामंत्री पद पर सतीश पाठक, बरिष्ठ उपाध्याय पद पर सतीश सिंह, संयुक्त मंत्री पद पर शैलेन्द्र सिंह व कोषाध्यक्ष पद पर रोहित यादव को निर्विरोध निर्वाचित होने की घोषणा की तों सभागार तालियो की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। शिक्षकों ने निर्वाचित पदाधिकाकारिओं को फूल मालाओ से लाद दिया। इसी प्रकार महिला प्रकोष्ठ मे जिला अध्यक्ष पद पर अर्चना सिंह, जिला मंत्री पद पर नूपुर श्रीवास्तव, बरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर ममता गुप्ता, संयुक्त मंत्री पद पर माधुरी पाल व कोषाध्यक्ष पद पर अफसाना बानों निर्विरोध निर्वाचित हुआ। निर्वाचित पदाधिकारियों को अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की राष्ट्रीय बरिष्ठ उपाध्यक्ष गीता पांडेय ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। पुनः जिलाध्यक्ष चुने जाने के बाद शिक्षकों का आभार ब्यक्त करते हुए अमित सिंह ने कहा कि आप लोगो ने जिस विश्वास के साथ मुझे फिर से अध्यक्ष पद पर चुना है उसपर खरा उतरने का पूरा प्रयास जारी रहेगा। शिक्षक हितो व पुरानी पेंशन की लड़ाई के लिए संघर्ष जारी रहेगा। वक्ताओ मे मुख्य रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष मालती सिंह, मांडलिक मंत्री जिलाध्यक्ष वाराणसी सकल देव सिंह, जिलाध्यक्ष प्रयागराज अखिलेश द्विवेदी, शैलेन्द्र विक्रम सिंह, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, राजीव रतनम तिवारी, राकेश पाठक प्रमुख थे। इस अवसर पर अश्वनी सिंह, राजेश सिंह टोनी, डा. अनुज सिंह, संतोष सिंह बघेल, विशाल सिंह, मृत्युंजय सिंग, संतोष सिंह, भूपेश सिंह, प्रदीप सूर्या, राजीव सिंह लोहिया, सजल सिंह, प्रवीण सिंह, डा. गिरीश, सुधाकर सिंह, उमेश यादव, मुन्नालाल यादव, रोहित सिंह, उपेंद्र सिंह, राजेश मौर्य, नवीन सिंह, अतुल सिंह सहित सभी तहसील व ब्लाक के पदाधिकारी व भारी संख्या मे शिक्षक मौजूद रहे। अध्यक्षता टीडी कालेज के प्रधानाचार्य डा. सत्य प्रकाश सिंह व संचालन नूपुर श्रीवास्तव ने किया।

संक्षिप्त खबरें

मोहर्रम की दशवीं के ताजिया में या अली या हुसैन की सदाओं से गूंजे बाजार

प्रखर चन्दवक जौनपुर। मोहर्रम दशवीं का ताजिया जुलुस शनिवार को सुबह से साम में पूरी हिदायत के साथ निकला। या अली या हुसैन का नारे के बिच विभिन्न अखाड़ो ने चन्दवक बाजार के मुस्लिम बहुल ग्रामीणों क्षेत्रो में ताजिया निकाल उन्हें कर्बला में दफन किया गया।जुलुस के दौरान कला करने वालो के खून से शरीर इमाम हुसैन के सहादत की गवाही दे रहे थे। प्रशासन भी चैकस दिखा। कई क्षेत्र ताजियों का चन्दवक में मिलनी का कार्यक्रम सम्पन हुआ। युवको द्वारा कला का जोरदार प्रदर्शन रहा। मौलाना नौशाद अहमद, मंजूर आलम,सफीआलम, समीम हाशमी, नसिबुद्दीन, कलाम, साहिद, साहिल,मुमताज, सफीउल्लाह,आदि लोग मौजूद रहे।

राजेश सिंह बने लघु उद्योग भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पिछले कई वर्षो से वाराणसी के उद्यमियों व्यापारियों की बुलंद आवाज बनकर उद्योग बंधु सहित प्रत्येक फोरम पर उद्योग जगत की कठिनाइयों पीड़ा को तत्काल समय पर उठाकर निदान दिलाने वाले राजेश कुमार सिंह पर संगठन द्वारा विश्वास जताया गया और लघु उद्योग भारती काशी प्रांत का अध्यक्ष बनाया गया है जिनका कार्यकाल दो वर्षो का होगा` राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुसांगिक संगठन की दृष्टि से काशी प्रांत में तीन कमिश्नरी (वाराणसी मंडल, विंध्याचल मंडल, प्रयागराज मंडल) है जिसमे कुल 11 जिले है जिनकी कमान आज से राजेश सिंह संभालेंगे लघु उद्योग भारती उत्तर प्रदेश की बैठक नोएडा मे आयोजित हुई जिसमे प्रदेश की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ` प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू , प्रदेश महामंत्री भरत श्रेड, प्रदेश उपाध्यक्ष दीना नाथ बरनवाल तथा वाराणसी अध्यक्ष पद पर अरुण सिंह का चुनाव किया गया है।

इनरव्हील क्लब बनारस का 59 वाँ पद ग्रहण समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इनरव्हील क्लब बनारस डिस्ट्रिक्ट 312 इनरव्हील क्लब बनारस का 59 वाँ पद ग्रहण समारोह भेलूपुर स्थित एक होटल में सम्पन्न हुआ` मुख्य अतिथि किरण फाऊंडेशन की फाऊंडर सिस्टर संगीता जे के जी रही जिन्होने हमे विकलांग बच्चो की सम्स्यओ से अवगत कराया` सम्मानित अतिथि आशा गुप्ता थी जिन्होने महिलाओ के समाजिक सेवा की सराहना की अध्यक्ष पद राजश्री जैन ,सचिव पद बिन्दु बाला गुप्ता ने पदग्रहण किया` इनरव्हील क्लब बनारस की तरफ राधा रानी सिंह जो की स्वावलंबन संस्था की फाउंडर डायरेक्टर है जो की मानसिक दिव्यांग बच्चों कों आत्मनिर्भर बनाती है उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये क्लब ने सम्मानित किया।

संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोइराजपुर में अंतर्विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र वाराणसी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में प्रेमचंद लमही महोत्सव-2023 के अंतर्गत अंतर्विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 30 जुलाई रविवार को संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोइराजपुर वाराणसी में सम्पन्न हुआ ` वाराणसी के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों में से कुल 16 विद्यालय के छात्र - छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा के रंग बिखेरे दो श्रेणियों के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 9-12) एवं कनिष्ठ वर्ग (कक्षा 5-8) के लगभग 75 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, वाराणसी के प्रभारी डॉ. सुभाष चन्द्र यादव का इस प्रतियोगिता में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ` विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह ने विभिन्न विद्यालयों से आए सभी शिक्षक , शिक्षिकाओं का विशेष आभार प्रकट करते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मकता की भरपूर सराहना की एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी।

20 किलो गाँजा व तमन्चा, कारतूस व मोटर साईकिल संग 2 तस्कर गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध को रोकने हेतु अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन में क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में शनिवार को स्वाट/सर्विलांस टीम व प्रभारी निरीक्षक मुहम्मदाबाद मय हमराह द्वारा चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अहिरौली प्राइमरी स्कूल के पास बक्सर (बिहार) की तरफ से आ रहे 02 अभियुक्तो को समय करीब 11.30 बजे रात में गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 20 किलो 100 ग्राम नाजायज गाँजा व 01 अदद तमन्चा 315 बोर नाजायज व 01 अदद कारतूस .315 बोर बरामद किया गया , गिरफ्तारशुदा अभियुक्तो के विरूद्ध कोतवाली मुहम्मदाबाद पर धारा 8/20 एनडीपीसी ऐक्ट व 3/25 ए ऐक्ट का अभियोग पंजिकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार अभियुक्तगण में बनारसी उर्फ भगेलू यादव पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी ग्राम भीमापार थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर उम्र 48 वर्ष तथा अरविन्द उर्फ पिन्टू यादव पुत्र राजनाथ यादव निवासी औड़िहार थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर उम्र 35 वर्ष रहे,तथा इनके उपर कई थानों में अन्य मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में स्वाट/सर्विलांस टीम जनपद गाजीपुर तथा कोतवाली मुहम्मदाबाद पुलिस टीम के लोग शामिल रहे।

पीएम के मन की बात किसी देशाटन से कम नही : डॉ. अवधेश

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 103 वॉ संस्करण पिंडरा विधायक ने ग्रामीणों संग थरी गांव में संतोष दुबे के आवास पर सुनी। पिंडरा विस क्षेत्र के थरी गांव के बूथ संख्या 168 के अध्यक्ष कमलेश राजभर की अध्यक्षता आयोजित मन की बात सुनने के बाद विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि जिस तरह प्रधानमंत्री ने पूरब से लेकर पश्चिम तथा उत्तर से लेकर दक्षिण तक की सभ्यता व संस्कृति को आम जनता के बीच रख उसके महत्ता को बताने के साथ श्रावण माह में काशी विश्वनाथ के शिवभक्तों की चर्चा की वह कोई सनातनी ही कर सकता है। हिन्दू के साथ मुसलमान के हज की चर्चा कर उन्होंने देश के सहिष्णु राष्ट्र भक्ति से ओतप्रोत ब्यक्ति ही कर सकता है। पीएम के मन की बात सभी भारतीय नागरिक को सुनने की जरूरत है। मन की बात से देशाटन हो जाता है। मन की बात सुनने के बाद उन्होंने ग्रामीणों की समस्या सुनी। जिसमे फूलपुर बाजार के अंतिम छोर तक नाले का निर्माण, थरी गांव में 50 मीटर खड़ंजा लगवाने समेत अनेक समस्याएं रखी। जिसे उन्होंने प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के अंत मे खुशहाल यूपी के 6 साल पर प्रकाशित पुस्तक का ग्रामीणों को वितरित किया। स्वागत आयोजक सन्तोष दुबे धन्यवाद मण्डल अध्यक्ष समरेश सिंह ने किया। इस दौरान डॉ रंगनाथ दुबे, अवधेश तिवारी, जिला उपाध्यक्ष पवन सिंह, सतेंद्र उर्फ बच्चा सिंह, सतीश पांडेय, शिवा सिंह,राजेश मिश्रा, उमेश सिंह, दुर्गा प्रसाद दुबे समेत अनेक गणमान्य लोग रहे।

भाजयुमो ने आयोजन किया मण्डल के सभी वार्डों में मन की बात का कार्यक्रम

प्रखर रामनगर वाराणसी। भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी के नेतृत्व में मण्डल के सभी चारों वार्डों में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात का कार्यक्रम को आयोजन कर सभी 4 वार्डों गोलाघाट वार्ड संख्या 12 मण्डल मंत्री चंदन जयसवाल, रामपुर वार्ड संख्या 13 मण्डल मंत्री अजय प्रताप सिंह, पुराना रामनगर वार्ड संख्या 65 मण्डल महामंत्री सुचित पाठक, भगवानपुर वार्ड संख्या 76 मण्डल मंत्री इंदू सिंह पटेल के नेतृत्व में भारी संख्या में युवाओं ने मन की बात के कार्यक्रम को आयोजित कर भारी संख्या मन की बात को सुना कार्यक्रम में मोदी जी ने सम्बोधन में प्रकृति संरक्षण को लेकर पौधारोपण के विषय पर चर्चा किया, सावन मास के आध्यात्मिक एवं चित्रकारों जैसे पहाड़ी शैली,बुंदी शैली व अन्य कई शैली में चित्रकारों एवं पेंटिंग के बारे युवाओं ने प्रेरणा ली युवाओं ने मन की बात के कार्यक्रम में स्पोर्ट्स से लेकर अन्य हस्त कलाकारी के बारे में सीखा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष अर्जुन शर्मा योगी, मण्डल उपाध्यक्ष आलोक कुमार धनंजय यादव, विवेक दुबे, मंडल महामंत्री सूचित पाठक मंडल मंत्री जय किशन जायसवाल,अजय प्रताप सिंह,बबलू बघेल, संजोग सिंह धीरेंद्र प्रताप सिंह इंदु सिंह पटेल, मनीष तिवारी चंदन जायसवाल, शिल्पा तिवारी,आशा सिंह अभिनाश सिंह,प्रिंस कस्यप व सैकड़ों युवा कार्यकर्ताओ ने उपस्थिति दर्ज कराकर मन की बात को सूना।

वनाधिकारी अखिलेश दुबे व शिक्षक डॉ. निगम मौर्य ने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

प्रखर कुशीगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान से जुड़कर क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रवर्तन दल कुशीनगर अखिलेश दुबे एवं बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में बीएड विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 निगम मौर्य ने रविवार को कॉलेज परिसर में जन्मदिन के अवसर पर पौधरोपण किया। पौधरोपण करते दोनों ने कहा कि जहरीली हो रही पर्यावरण को बचाने में पौधों की भूमिका महत्वपूर्ण है। ये हानिकारक तत्वों को ग्रहण कर प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं और पर्यावरण को स्वस्थ रखते हैं। अतः अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को बचाये रखने की जरूरत है। दोनों ने नयी दिशा को पौधों हेतु आर्थिक सहयोग करते हुए जन्मदिन पर पौधरोपण अभियान की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ0 सत्येंद्र गौतम, डॉ0 गौरव तिवारी, डॉ0 शत्रुघ्न सिंह, घनश्याम मिश्र, फागु, नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र इत्यादि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी गई

प्रखर रामनगर वाराणसी। संत विनोबा बंगाली भाई पैलेस में बूथ संख्या 396 भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में मंडल के बूथों पर कार्यकताओं के साथ देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात सुनी गई जिसमें मन की बात के 103वें ए?पिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- आपदाओं के बीच भी हम सभी देशवासी एक बार फिर सामूहिक प्रयास की शक्ति को सामने लेकर आए हैं। पिछले कुछ दिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण चिंता और परेशानी से भरे रहे हैं। यमुना जैसी कई नदियों में बाढ़ आने से कई जगहों पर लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं। एक उत्साहवर्धक खबर उत्तर प्रदेश से आई है, कुछ दिन पहले ही यूपी में एक ही दिन में 30 करोड़ पौधे लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। इस अभियान की शुरूआत राज्य सरकार ने की. उसे पूरा, वहां के लोगों ने किया, ऐसे प्रयास जन-भागीदारी के साथ-साथ जन-जागरण के भी बड़े उदाहरण हैं। मैं चाहूंगा कि हम सब भी पेड़ लगाने और पानी बचाने के इन प्रयासों का हिस्सा बनें एवं श्रावण मास के अवसर शिव की महिमा तथा 15 अगस्त को पुनः देश मे प्रत्येक घरों में तिरंगा फहरा कर साक्षी बने । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह नंदलाल चौहान संतोष द्विवेदी डॉ अनुपम गुप्ता सर्वेंद्र विक्रम सिंह सतेंद्र सिंह पिंटू अमित सिंह चिंटू प्रशांत सिंह प्रिती सिंह जितेंद्र पांडेय अशोक जायसवाल सुनील श्रीवास्तव राजेंद्र शंकर पटेल सृजन श्रीवास्तव मोनिका यादव लल्लन सोनकर मनोज यादव रितेश पाल संजय बाल्मीकि विवेक सिंह अविनाश सिंह देवेंद्र प्रताप सिंह विनोद पटेल अर्जुन शर्मा सूचित पाठक अंकित राय निक्की सिंह अरुण कुमार दुर्गा साहनी विशाल आनंद अनिरुद्ध आशीष चौहान राहुल कुमार कंचन निषाद सुनील गुप्ता अभिषेक कुमार सिंह पटेल अंशुमान दुबे भैया लाल सोनकर नरसिंह मौर्य रोली दुबे प्रमुख रूप से रहे।

पार्टी कार्यकर्त्ता व ग्रामीणों ने सुनी मन की बात प्रधानमन्त्री के साथ का 103वां संस्करण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज मन की बात प्रधानमंत्री के साथ का 103 वां एपिसोड रेडियो के माध्यम से जखनिया विधानसभा-373 के मंडल जखनियां प्रथम के बूथ संख्या 203 पर पार्टी कार्यकताओं एवं ग्रामीणों के साथ लोगो ने सुना। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा की मन की बात से ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। मन की बात से प्रधानमंत्री द्वारा देश की अनेक नवीन कलाकृतियों से अवगत होने का सौभाग्य प्राप्त होता। मन की बात देश के लोगों के लिए एक नई किरण लेकर आती है और लोगों के जीवन में एक नई दिशा देने की प्रेरणा प्रदान करती है। वर्मा ने कहा पीएम मोदी ने एमपी के एक गांव के नशे की गिरफ्त से मिली ब्राजील बनने की कहानी सुनाई कि कैसे दशक पहले बदनाम गांव आज फुटबॉल के क्रांति के नाम से जाना जाता है बिचारपुर गांव से अब तक 40 से अधिक स्टेट ऑफ नेशनल लेबर के खिलाड़ी निकल चुके हैं। यह सब वहा के लोगो द्वारा संकल्प के कारण हो सका। पीएम मोदी ने 15 अगस्त को हर घर तिरंगा फहराने की अपील की, उन्होंने एमपी के शहडोल के लोगों के जल संरक्षण की भी चर्चा की और लोगों से अपील किया की वर्षा के जल का संरक्षण करें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें जिससे प्रकृति हरी-भरी और सुंदर बने, लोग स्वस्थ रहें। पीएम ने भारत के बढ़ती ताकत का भी जिक्र किया और कहां कि आज भारत की ताकत ही है कि अमेरिका जैसे देश ने भारत को 100 से ज्यादा दुर्लभ और प्राचीन कलाकृतियां वापस लौटाई जो ढाई हजार साल से लेकर ढाई सौ साल तक पुरानी है। इन दुर्लभ चीजों का नाता देश के अलग-अलग क्षेत्रों से हैं, इनमें से तो कुछ ऐसे हैं जिसे आप देखकर आश्चर्यचकित हो जाएंगे। पीएम ने श्रावण मास की भी चर्चा की और उन्होंने कहा सावन हरियाली और खुशियों से जुड़ा होता है, इस महीने का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व है। 12ज्योतिर्लिंगों में खूब श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और काशी का कॉरिडोर जब से बना है यहां हर साल लगभग 10 करोड़ पर्यटक पहुंच रहे हैं। उन्होंने बाढ़ के कारण लोगों के हुई भारी परेशानी का भी जिक्र किया और कहां लोगों ने अपनी साहस और संकल्प का परिचय दिया। देश के जवानों ने अद्भुत काम किया है। मोदी ने योग की भी चर्चा की और कहा योग से हमेशा आप हम स्वस्थ रहेंगे। मन के इस कार्यक्रम के अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व्यापारी नेता अशोक गुप्ता, भूतपूर्व सैनिक संतोष कुशवाहा, बूथ अध्यक्ष सुनील सिंह टिंकू, विक्की शर्मा, आदर्श राजभर, बिजेंदर, विकास गुप्ता, राहुल शर्मा, निलेश प्रजापति, संपत्ति देवी, बादामी देवी, आशा देवी, कौशल्या देवी, चंदा शर्मा, शंभू कुशवाहा, राहुल कुशवाहा, मुराहु कुशवाहा, अजय विक्रम, राजेश जायसवाल सहित प्रमुख ग्रामीण एवम पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चालक भर्ती शिविर में आये दो दर्जन आवेदन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के तत्वावधान में कैंट डिपो द्वारा फूलपुर में रविवार को संविदा पर चालको की भर्ती के लिए शिविर लगाया गया। जिसमें दो दर्जन ग्रामीणों ने आवेदन किये। चालक भर्ती शिविर का शुभारंभ करते हुए विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि पिंडरा विस क्षेत्र के लोगों के लिए एक सुनहरा अवसर है। जो भी बाहर देश मे जाकर परिवार से दूर होकर जीवन यापन करते है वह अब अपने घर मे अपने हुनर के बल पर नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। शिविर के दौरान दो दर्जन आवेदन आये। जिसमे कई लोगों के आवेदन कम उम्र होने, हैवी ड्राइविंग लाइसेंस न होने के कारण निरस्त कर दिया गया। इस दौरान सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक महेंद्र नाथ पांडेय, जूनियर फोरमैन अनिल सिंह , कैंट डिपो संचालन प्रभारी इंद्रेश उर्फ बबलू मिश्रा, शैलेश मिश्रा, डॉ दिनेश मिश्रा, अभिषेक राजपूत, संदीप दुबे, दिलीप दुबे समेत अनेक लोग रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं